संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 100
पृष्ठ 8
शनिवार
28 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- वाराणसी घूमने के दौरान.... | विचार- एक्सीडेंटल राजनेता..... | खेल- भारत ने वेस्टइंडीज को ३-०....

डॉ. सिंह का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल करने की प्रेरणा देता है। डॉ सिंह का गुरुवार रात यहां एम्स में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां बताया कि श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री ने कहा, "जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है और विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद डॉ. सिंह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति थे। डॉ. सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को सिखाता

डॉ. सिंह का जीवन विपरीत परिस्थितियों में ऊंचाई हासिल करने की प्रेरणा देता है : मोदी

है कि विपरीत परिस्थितियों से कैसे ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल किया जाए।" श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा एक दयालु व्यक्ति, एक विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने केन्द्र सरकार में डॉ. सिंह के एक अर्थशास्त्री के रूप में विभिन्न स्तरों पर अनगिनत योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में डॉ. सिंह की भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने देश को वित्तीय संकट से निकालकर नये आर्थिक रास्ते पर चलाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री के रूप में देश के विकास और प्रगति में डॉ. सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों और देश के विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता को हमेशा उच्च सम्मान में रखा गया है। श्री मोदी ने कहा कि डॉ. सिंह का जीवन उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का प्रतिष्ठित संसदीय करियर उनकी विनम्रता, सौम्यता और बुद्धिमत्ता से चिह्नित था। प्रधानमंत्री ने याद किया कि इस वर्ष की शुरुआत में राज्यसभा में डॉ. सिंह के कार्यकाल के अंत में भी, उन्होंने सभी के लिए प्रेरणा के रूप में डॉ. सिंह के समर्पण की प्रशंसा की थी। अपनी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद, डॉ. सिंह ने अपने संसदीय कर्तव्यों को पूरा करते हुए व्हीलचेयर पर महत्वपूर्ण सत्रों में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने और शीर्ष सरकारी पदों पर रहने के बावजूद, डॉ. सिंह अपनी साधारण पृष्ठभूमि के मूल्यों को कभी नहीं भूले। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों के लोगों से संपर्क बनाए रखते थे और सभी के लिए आसानी से उपलब्ध रहते थे। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान और बाद में दिल्ली में डॉ. सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी खुली चर्चा को याद किया। उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और सभी नागरिकों की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बठिंडा में बड़ा बस हादसा

यात्रियों से भरी बस गंदे नाले में गिरी, 8 की मौत

बठिंडा, एजेंसी। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, बठिंडा शहरी विधायक जगरूप सिंह गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने इलाज के दौरान गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। गिल को बठिंडा के सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला ने जानकारी दी, जब विधायक ने बठिंडा शहर के शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल का दौरा किया, जहां वर्तमान में 18 घायल यात्रियों का इलाज किया जा रहा है। गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 18 का इलाज शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

है। यह हादसा बठिंडा के जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ जब एक बस पुल से टकराने के बाद नाले में गिर गई। एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चल रहा है। निजी बस तलवंडी साबो से बठिंडा शहर जा रही थी, तभी फिसलकर नाले में गिर गई। बचाव कार्यों की निगरानी के लिए शीर्ष नागरिक और पुलिस अधिकारी मौके पर हैं। जिला अधिकारियों द्वारा अभी तक मृतकों की पहचान की पुष्टि नहीं की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गंदे नाले में गिरने से पहले बस एक पुल की रेलिंग से टकराई।

डा मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति : योगी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह अब हमारे बीच नहीं रहे। 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। गुरुवार देर शाम अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां रात करीब 9 बजकर 51 मिनट पर उनका निधन हो गया। इस दुखद

घटना पर पूरे देश में शोक की लहर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये कहा है कि यह भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। योगी ने एक्स पर लिखा " पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल परिजनों व समर्थकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओमः शांति।" डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के एक अद्वितीय व्यक्तित्व थे। उनके नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार देखे, जिन्होंने देश की प्रगति की दिशा को बदल दिया। उनके निधन से देश ने न केवल एक कुशल राजनेता बल्कि एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री को खो दिया है। उनका योगदान भारतीय राजनीति और समाज में सदैव याद किया जाएगा।

खरगे, सोनिया, राहुल, प्रियंका ने मनमोहन को किये श्रद्धा सुमन अर्पित

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम दर्शन करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की है। डॉ. सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के साथ ही विभिन्न दलों के प्रमुख नेता पहुंच रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों तथा प्रमुख नेताओं ने डॉ. सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की है। कर्नाटक के बेलगावी में विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक चल रही है। बैठक 100 साल पहले कांग्रेस की बेलगाम अधिवेशन की याद में आयोजित हो रही है, जिसमें भाग लेने गए श्री खरगे तथा श्री गांधी डॉ. सिंह के निधन की खबर सुनते ही बैठक अधूरी छोड़कर दिल्ली लौट गये हैं।

इतिहास विनम्रता, अथाह ज्ञान के लिए मनमोहन को हमेशा रखेगा याद : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि इतिहास मेंनयी दिल्ली, को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा में उनकी प्रतिबद्धता, अथाह ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को अपने अधिकारिक एक्स पेज पर ट्वीट किया और कहा ''डॉ सिंह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के

जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में और फिर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा। पार्टी ने कहा ''अपने शांत लेकिन असरदार नेतृत्व के लिए विख्यात, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने देश के कल्याण के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में डॉ. सिंह के फैसले भारतीय समाज के हर पहलू पर गहराई से छाप छोड़ गए हैं।'' कांग्रेस ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है। एक राजनेता, एक विद्वान, एक नेता, एक दूरदर्शी – भारत के सबसे गौरवान्वित पुत्रों में से एक... आपका जाना बेहद दुखद है, आपकी बहुत याद आएगी।

'पेपरलेस' बनी कन्नौज पुलिस, अपनाया ई-ऑफिस प्रणाली

कन्नौज, एजेंसी। अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी पुलिस स्टेशनों में ई-ऑफिस प्रणाली के कार्यान्वयन के साथ, कन्नौज कागज रहित होने वाला उत्तर प्रदेश का पहला जिला बन गया है, जिससे मोटी फाइलों की अव्यवस्था खत्म हो गई है। यह स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, अब सभी पुलिस स्टेशनों, सर्कल अधिकारी कार्यालयों और अतिरिक्त एसपी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो गई है। कन्न्नौज के

एसपी अमित कुमार आनंद ने कहा कि इस पहल के एक हिस्से के रूप में कन्नौज पुलिस ने कागज-आधारित प्रणालियों को हटाकर एक डिजिटल प्लेटफॉर्म अपना लिया है और सुचारू प्रशासनिक संचालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन के साथ, कन्नौज ने एक बेंचमार्क स्थापित किया है और सभी पुलिस स्टेशनों और कार्यालयों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने वाला उत्तर प्रदेश का पहला जिला बन गया है। आनंद ने बताया कि 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के मौके पर डीजीपी प्रशांत कुमार ने ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ किया था। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित और केंद्रीय सचिवालय मैनुअल (सीएसएमईओपी) पर आधारित, इस प्रणाली को जिले के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के बाद सफलतापूर्वक लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस स्टेशनों और कार्यालयों को आवश्यक तकनीकी संसाधनों से सुसज्जित किया गया है। शिकायत निवारण और रिपोर्टिंग में तेजी लाकर, सिस्टम जनता के लिए त्वरित न्याय सुनिश्चित करता है। डिजिटल फ़ाइल निगरानी अधिकारियों को प्रगति को बेहतर ढंग से ट्रैक करने और निर्णय लेने को सुव्यवस्थित करने में सक्षम बनाएगी। इसके अलावा, ई-ऑफिस प्रणाली लंबित शिकायतों को हल करने में देरी को रोकेगी, समय पर और पारदर्शी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करेगी।

सनातन संस्कृति के खिलाफ "छद्म धर्मनिरपेक्ष सिंडीकेट" से सावधान रहना होगा : नकवी

प्रयागराज, एजेंसी। महाकुम्भ 2025 की तैयारियों को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साध रहे विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि सनातन संस्कृति के खिलाफ षड़यंत्र रचने वाले छद्म धर्मनिरपेक्ष सिंडीकेट से सावधान रहने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से इंडी गठबंधन की घटक समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव महाकुम्भ के आयोजन को लेकर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साध रहे हैं। नकवी ने यहां सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "सनातन संस्कृति के खिलाफ छद्म सेक्युलर सिंडिकेट से सावधान रहना होगा। यह सिंडीकेट सांप्रदायिक फ़साद में सियासी मफ़ाद ढूंढता है।" प्रयागराज आये पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के रिवाज को समावेशी सशक्तीकरण के

मिज़ाज से ध्वस्त किया है और वह आज दुनियाभर में संकट मोचक के तौर पर लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व में धाक मजबूत हुई है और हर भारतीय को गर्व है कि मोदी जी को दुनिया वैश्विक संकट के संकटमोचक के रूप में देख रही है। नकवी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपराधियों, अराजक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि योगी सरकार का दंगाइयों की ठुकाई, बलवाइयों की कुटाई और बाहुबलियों की विदाई से समाज में सुरक्षा का माहौल बना है। उत्तर प्रदेश में 2027 होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा, "महत्त्वाकांक्षाओं के मझधार में फंसे कांग्रेस-सपा गठबंधन में जितने छेद हैं उससे ज्यादा उसमें मतभेद हैं। इन छेद को रफू करने के चक्कर में वे विभिन्न चुनावों में निपटते जा रहें हैं।" हाल ही में संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच झड़प की घटना को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कांग्रेस और विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, "यह परिवारवादी पार्टी का डिजाइन किया हुआ प्रदर्शन था।"

दिल्ली-एनसीआर में बारिश और ठंड का डबल अटैक, जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार बारिश हुई जारी है। बिजली गिरने के साथ इस बारिश ने राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में चल रही शीत लहर को बढ़ा दिया। बारिश के अप्रत्याशित दौर के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई, जिससे क्षेत्र में पहले से ही ठंड की स्थिति और बढ़ गई। सुबह 7.23 बजे दिल्ली का तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, ठंडी हवाओं ने ठंड बढ़ा दी। निवासियों ने बताया कि बारिश के बाद ठंड की गंभीरता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे सुबह की गतिविधियाँ बाधित हुईं और शहर में सर्दी का मौसम छा गया। आईएमडी ने आज राष्ट्रीय राजधानी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इसके अलावा, अगले दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि दिल्ली में आंधी और घने कोहरे की संभावना है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को ।फप् 342

दर्ज किया गया, जो इसे श्बहुत खराबश श्रेणी में रखता है। पिछले दिन इसकी रीडिंग 336 थी। 37 निगरानी स्टेशनों में से, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता 400 से ऊपर रीडिंग के साथ श्गंभीरश श्रेणी में दर्ज की गई। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने भविष्यवाणी की है कि शुक्रवार को वायु गुणवत्ता श्खराबश श्रेणी में रहने की संभावना है, लेकिन शनिवार को इसमें सुधार होकर श्मध्यमश श्रेणी में पहुंच जाएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बारिश और तापमान में गिरावट के लिए एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को जिम्मेदार ठहराया है, जिसे उसने मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक गर्त के रूप में वर्णित किया है। इस विक्षोभ के कारण 27 और 28 दिसंबर को उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत में तूफान, ओलावृष्टि और मध्यम वर्षा होने की उम्मीद है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और हिमालयी क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भारी बर्फबारी की आशंका है, जबकि नए साल में दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहने और बारिश जारी रहने की संभावना है।

डॉ. रीना सचान को एनसीसी में मिला लेफ्टिनेंट रैंक, मेडिकल कॉलेज में हैं माइक्रोबॉयोलाजी की एचओडी

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की इंचार्ज डॉ. रीना सचान ने तीन महीने की कठिन और चुनौतीपूर्ण ट्रेनिंग के बाद एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने एनसीसी ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी ग्वालियर में 90 दिनों की ट्रेनिंग पूरी की। इस कठिन ट्रेनिंग के बाद डॉ. सचान को लेफ्टिनेंट रैंक और श्अल्फा ग्रेडश (सबसे उच्चतम ग्रेड) से लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत एवीएसएम, जनरल आफिसर कमांडिंग मध्य भारत ने सम्मानित किया। डॉ. रीना सचान को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंसश प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि के लिए आर्मी ग्रुप मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से 28 दिसंबर 2024 को उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का प्रमाण है, जो छात्रों और सहकर्मियों के लिए प्रेरणादायक है। छात्रों में जागृत करेंगे देशभक्ति की भावना अमर उजाला से बातचीत में डॉ. रीना सचान ने बताया कि तीन महीने प्रशिक्षण का दौर बेहद कठिन होता है। पूरी तरह से आर्मी का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें मैप रीडिंग, फायरिंग, ड्रिल, एडवेंचर, लीडरशिप से लेकर बंदूक चलाने आदि की ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण में अनुशासन में रहकर सारे कार्य समय से करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एनसीसी के साथ ही जीवन में भी काफी काम आता है।उन्होंने बताया कि पूरे भारत में 11 मेडिकल कॉलेजों में एनसीसी इकाई है। जिसमें में सिर्फ मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में एनसीसी है। पूरे देश से 122 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। बताया कि पुरुषों का प्रशिक्षण महाराष्ट्र के कामटी और महिलाओं की ट्रेनिंग ग्वालियर में हुई। ए ग्रेड में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद एक्सीलेंस का सर्टिफिके भी हासिल किया। डॉ. सचान के अनुसार उनका यह प्रशिक्षण उनके छात्रों को अनुशासन में रहने और देश के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करेगा। एनसीसी ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी ग्वालियर में आयोजित यह प्रशिक्षण न केवल शारीरिक और मानसिक धैर्य की परीक्षा था, बल्कि नेतृत्व और सेवा भावना को भी बढ़ावा देने वाला था। डॉ. रीना सचान की यह उपलब्धि कॉलेज के छात्रों और सहकर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

कॉलेज प्रशासन और समस्त स्टाफ की ओर से डॉ. रीना सचान को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। उनकी यह उपलब्धि प्रयागराज और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज दोनों के लिए गौरव का विषय है। डॉ. रीना सचान की इस सफलता पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा ने प्रसन्नता की है। कहा कि यह उपलब्धि न केवल हमारे कॉलेज के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह छात्रों में राष्ट्र के प्रति सेवा भावना को प्रोत्साहित करेगी। कॉलेज के प्रमुख अधीक्षक डॉ. अजय सक्सेना और अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने भी उन्हें बधाई दी। कहा कि डॉ. रीना सचान ने अपनी प्रतिबद्धता और दृढ़ता से यह सफलता अर्जित की है, जो चिकित्सा और एनसीसी जैसे क्षेत्रों में सामंजस्य स्थापित करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

बटेंगे तो कटेंगे के बाद अब डरेंगे तो मरेंगे से बढ़ी सरगर्मी, मेला क्षेत्र में लगाए गए पोस्टर

प्रयागराज। खालिस्तानी आतंकी पन्नू की ओर से धमकी के बाद महाकुंभ मेला क्षेत्र में डरेंगे तो मरेंगे के पोस्टर चर्चा का विषय है। इस पर संतों ने न सिर्फ नाराजगी जताई है, बल्कि कड़ी प्रतिक्रिया भी दी है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि मुगलकाल से लेकर अब तक जब–जब हम बंटे हैं, तब–तब सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अब हम मिटेंगे नहीं मिटाएंगे। बीते रोज पीलीभीत में यूपी और पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में खालिस्तानी फोर्स के तीन आतंकी मारे जाने के बाद गुरपतवंत सिंह पन्नू ने महाकुंभ को निशाना बनाने की धमकी दी थी। इसके अगले दिन ही जगद्गुरु रामानंदाचार्य की ओर से मेला क्षेत्र में जगह–जगह पोस्टर चस्पा किये गए, जिसमें लिखा गया है कि डरेंगे तो मरेंगे। इसके बाद संतों ने भी पन्नू की धमकी पर नाराजगी जताई है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि मुगलकाल में एक के बाद एक मंदिर तोड़े गए, क्योंकि उस दौरान हम भयभीत थे, लेकिन केंद्र में मोदी और यूपी में योगी सरकार ने सनातन धर्म और संस्कृति का परचम देश ही नहीं विदेशों में भी लहराया है। उन्होंने कहा कि आज भारत ही नहीं अन्य देशों में भी अगर कोई मंदिर तोड़ता है तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। क्रांतिकारी भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद के अंदाज में हम उसका जवाब देंगे। वहीं अटल अखाड़े के संत बलराम भारती का कहना है कि संत समाज एकजुट होकर आतंकी ताकतों को जवाब देने के लिए तैयार है। सरकार को भी पन्नू जैसे आतंकी पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

हाईकोर्ट ने आगरा के शाही हमाम के ध्वस्तीकरण पर लगाई रोक, स्मारक की सुरक्षा करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के ऐतिहासिक शाही हमाम के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाते हुए सरकार से विस्तृत जानकारी तलब की है। साथ ही आगरा के पुलिस आयुक्त व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सख्त हिदायत दी है कि मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी तक स्मारक को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इसके लिए पुलिस बल की तैनाती की जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सलील राय और न्यायमूर्ति समीत गोपाल की अवकाश कालीन खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को चंद्रपाल सिंह राणा की याचिका पर दिया है। आगरा से करीब एक किलोमीटर दूर छीपीटोला में मुगलिया दौर का यह शाही हमाम मुगल बादशाह जहांगीर के दौर में बनाया गया था। अब इसकी हालत जर्जर है और इसे जमींदोज किया जा रहा है। हमाम के अहाते में करीब 25–30 कमरे हैं, जहां पर फल–सब्जी विक्रेता अपना सामान रखे हैं। साथ ही पहली मंजिल पर 12 से अधिक परिवार रहते हैं। हमाम के आसपास घनी आबादी और बाजार हैं। 1620 में अली वर्दी खान ने इसका निर्माण कराया था। हाल ही में निजी व्यक्तियों द्वारा ध्वस्त करने का खतरा मंडरा रहा था। हमाम को बचाने के लिए कई संस्थाएं आगे आईं हैं। याची की ओर से पेश अधिवक्ता विक्रांत डबास, अधिवक्ता शाद खान व अधिवक्ता चंद्र प्रकाश सिंह ने दलील दी। कहा कि शाही हमाम की राष्ट्रीय महत्व की विरासत है। इसके विध्वंस के प्रयासों पर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है।

रात भर जाग रहे अफसर, पांटून पुलों, चकर्ड प्लेट सड़कों पर चल रहा काम, योगी के आने के चलते उड़ी नींद

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले महाकुंभ के पिछड़े कामों को पुराने कराने के लिए अफसरों की सर्द रातों में नींद उड़ गई है। सीएम योगी अनि अखाड़ों की धर्म ध्वजा समारोह में 28 दिसंबर को आने वाले हैं। ऐसे में चकर्ड प्लेट मार्गों और पांटून पुलों का निर्माण पूरा कराने के लिए रात भर जागना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार की रात पांटून पुल–चार के निर्माण की जद्दोजहद में जेई–ठेकेदार जूझते रहे। पांटून पुल नंबर पांच के कई पीपे अभी तक जोड़ने बाकी हैं। पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता एके द्विवेदी ने 25 दिसंबर तक सभी 30 पांटून पुलों को बनाने का दावा किया था, लेकिन एक दिन बाद भी हालात काबू नहीं हो सके। संगम लोवर मार्ग तो पूरा कर लिया गया, लेकिन मुक्ति मार्ग अब तक नहीं बन सका है। इससे बसावट लगातार पिछड़ती जा रही है। संगम को जोड़ने वाले पांटून पुल नंबर चार और पांच अभी तक न बन पाने से अफसर परेशान हैं। चार नंबर पुल पर यातायात शुरू नहीं हो सका है। इसी तरह पुल नंबर पांच को जोड़ने में वक्त लगने के आसार हैं। ज्यादातर पांटून पुलों पर अंधेरा होने रात को गुजरना जहां मुश्किलों भरा है, वहीं अलाइनमेंट बिगड़ने से कई पुलों पर वाहनों का संचालन हादसों का सबब बन गया है। गंगोली शिवाला पुल, काली पुल के पीपे कई जगह टेढ़े हो गए हैं तो कई जगह धंसने से दिक्कतें हो गई हैं।

महाकुंभ मेला की फर्जी वेबसाइट बनाकर टेंट व होटल की बुकिंग करने वाले चार शातिर गिरफ्तार

प्रयागराज। महाकुंभ मेला की फर्जी वेबसाइट बनाकर टेंट और होटल की बुकिंग करने वाले चार शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वाराणसी की एक सॉफ्टवेयर कंपनी में वेबसाइट बनाने का कार्य करते हैं। इनके पास से पुलिस ने तीन लैपटॉप, दो मोबाइल और छह एटीम कार्ड बरामद किया है। पुलिस इनकी काफी दिनों से तलाश कर रही थी। प्रयागराज शहर के बड़े होटलों की फोटो लगाकर यह बुकिंग करके लोगों से मोटी रकम वसूल कर रहे थे। बता दें कि महाकुंभ में शहर के नामी होटल में बुकिंग के नाम पर आए दिन पर्यटकों को ठगी को शिकार बनाया जा रहा है। होटल कान्हा श्याम के नाम से भी चल रही फर्जी वेबसाइट को लेकर साइबर पुलिस को पता चला। पुलिस की जांच में पाया गया कि यह साइट हरियाणा से ऑपरेट की जा रही है। 16 दिसंबर को होटल कान्हा श्याम के महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने उनके होटल के नाम से फर्जी वेबसाइट ंदीीलंउ.ीवजमसंससींइंक.बवउ बनाकर बुकिंग करने पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया था। मामले की जांच साइबर पुलिस कर रही है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने डोमेन कंपनी को मेल के माध्यम से पूछा था कि उक्त वेबसाइट किस शहर से संचालित हो रही है। साथ ही होस्ट करने वाले के बारे में भी जानकारी मांगी गई थी।

इलाहाबाद विवि के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष इंदू प्रकाश का निधन, हार गए कैंसर से जंग

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष इंदू प्रकाश सिंह का निधन हो गया। वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। शुक्रवार को सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से शोक की लहर दौड़ गई। इंदू प्रकाश इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत करते थे। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार रसूलाबाद घाट पर शाम चार बजे किया जाएगा। आजमगढ़ के जियापुर के मूल निवासी इंदू प्रकाश सिंह शहर के गोविंदपुर में रहते थे। वह 1987 में छात्रसंघ महामंत्री और 1995 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गए थे। वह काफी समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। उनका उपचार नई दिल्ली के एम्स में चल रहा था। हालत में सुधार न होने पर परिजन उन्हें प्रयागराज ला रहे थे। शुक्रवार को भोर में रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं। उनके घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। आजमगढ़ के रहने वाले थे मूल निवासी इंदु प्रकाश सिंह मूलत आजमगढ़ जनपद के बहलोलपुर, मेहनाजपुर तरवां के रहने वाले थे। उनके पिता का नाम शंभूनाथ सिंह, बड़े भाई कर्नल ओमप्रकाश सिंह, दूसरे स्थान पर इंदु प्रकाश सिंह उर्फ नेता जी, एक बहन गीता सिंह जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पत्राचार संस्थान में कार्यरत थीं। सबसे छोटे भाई सुधीर कुमार सिंह उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अधिवक्ता हैं। इंदुप्रकाश सिंह आजमगढ़ से प्रयागराज में 1980 में अध्ययन करने के लिए आए थे। राजनीति के खिलाड़ी हेमवती नंदन बहुगुणा के सानिध्य में आकर 1983 में राजनीति का ककहरा सीखना शुरू कर दिया था। सन 1985 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय जो पूरब के ऑक्सफोर्ड के नाम से विख्यात है यहां छात्र संघ में महामंत्री का पहली बार चुनाव लड़े और दूसरे स्थान पर रहे। छात्रों की रहनुमाई और संघर्षों नाम से जनमानस में पहचान बनाने वाले इंदु प्रकाश सिंह 1987 में रिकॉर्ड 2199 मतों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के महामंत्री चुने गए। उनके करीबी वीरेंद्र सिंह के अनुसार उस दौर में इलाहाबाद विश्वविद्यालय का महामंत्री और अध्यक्ष की हैसियत विधायक और सांसदों से बढ़कर हुआ करती थी। 2200 मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीते थे अध्यक्ष का चुनाव छात्रसंघ के चुनाव में इंदु प्रकाश के संचालन समिति में शामिल वीरेंद्र सिंह के अनुसार इंदु प्रकाश 1995 में लगभग 2200 मतों के रिकॉर्ड अंतर से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अध्यक्ष चुने गए थे। छात्रों का जुलूस हिंदू हॉस्टल से जब चलता था तो एक छोर हिंदू हॉस्टल का आखिरी रहता था तो प्रारंभिक छोर की लंबाई लगभग ढाई किलोमीटर की रहती थी। तत्कालीन समय में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एक नारा छात्रों के बीच में सरेआम हो चुका था कि यूनिवर्सिटी का एक प्रकाश, इंदु प्रकाश, इंदु प्रकाश। छात्रों की रहनुमाई एवं छात्रों की समस्याओं के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन से दो हाथ करने में कभी भी पीछे नहीं रहते थे। कैसर से इलाज के लिए शुरू कराई गई थी मुहिम विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष रहे राणा अजीत प्रताप सिंह ने उनकी मदद के लिए मुहिम शुरू कराया था। यह मुहिम देवदूत वानर सेना के पिछड़ा वर्ग कल्याण के डिप्टी डायरेक्टर अजीत प्रताप सिंह ने भी हाथों–हाथ थाम लिया। कई लाख रुपये लोगों ने इंदुप्रकाश के इलाज के लिए मदद के रूप में दिया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। इंदुप्रकाश सिंह उच्च न्यायालय में स्टैंडिंग काउंसिल के साथ–साथ जनपद न्यायालय में पॉस्कोर्ट के मुकदमे को भी लड़ते थे। उनकी दो बेटियां डॉक्टर गरिमा सिंह और महिमा सिंह और एक पुत्र ऋषभ सिंह हैं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। पुत्र बीटेक करके सिविल सेवा की तैयारी कर रहा है।

महानगर अध्यक्ष की रेस शुरू, कई धुरंधर भी लाइन में, सबसे ज्यादा दावेदार शहर में

प्रयागराज। महाकुंभ के पहले भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर, यमुनापार एवं गंगापार को नया अध्यक्ष मिलना तय है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बाद तमाम नेता अध्यक्ष पद की रेस में आ गए हैं। जातिगत समीकरण को देखते हुए भाजपा महानगर में सर्वण, गंगापार और यमुनापार में पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति के नेता को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंप सकती है। चर्चा इस बात की भी है कि पार्टी वर्तमान अध्यक्षों को अब शायद ही दोबारा मौका दे। पिछले दिनों ही भाजपा महानगर, गंगापार और यमुनापार के मंडल अध्यक्षों के नामांकन की प्रक्रिया पूरी हुई। बताया जा रहा है कि 30 या 31 दिसंबर तक संगठन की दृष्टि से तीनों जिलों के पदाधिकारियों के नाम का एलान प्रदेश कार्यालय द्वारा किया जा सकता है। इसके बाद महानगर अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया होगी। प्रयागराज महानगर की बात करें तो पिछली कुछ बार से यहां वैश्य एवं ब्राह्मण बिरादरी के नेताओं को ही अध्यक्ष बनने का मौका मिला। 2014 में यहां महानगर अध्यक्ष शशि वार्ष्णेय बनीं, उसके बाद अवधेश चंद्र गुप्ता, फिर गणेश केसरवानी और वर्तमान में राजेंद्र मिश्रा के पास यह दायित्व है। राजेंद्र 2010 के पूर्व भी महानगर अध्यक्ष रह चुके हैं। फिलहाल इस बार मिशन 2027 को देखते हुए ही पार्टी जिलाध्यक्षों का चयन करेगी। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुने जाएंगे पदाधिकारी वर्तमान समय में गंगापार, यमुनापार के मुकाबले महानगर में अध्यक्ष पद के लिए ही सबसे ज्यादा नाम सामने आए हैं। जो नाम चर्चा में है उसमें पवन श्रीवास्तव, सुबोध सिंह, आशीष गुप्ता, कुंज बिहारी मिश्रा, अवधेश चंद्र गुप्ता, मृत्युंजय तिवारी, राजू पाठक, वरुण केसरवानी, रमेश पासी, श्याम चंद्र हेला, संजय गुप्ता, किरन जायसवाल, रविंद्र त्रिपाठी, विक्रमजीत सिंह भदौरिया, प्रमोद मोदी, प्रेम नारायण केसरवानी, मनोज कुमार कुशवाहा, शिखा रस्तोगी, चंद्रा अहलूवालिया, विनय मिश्रा, राजू शुक्ला, देवेंद्र नाथ मिश्रा, राजेश सिंह पटेल शामिल है। इसी तरह यमुनापार में भी पुष्पराज सिंह पटेल, राजेश शुक्ला, विभव नाथ भारती, शिवदत्त पटेल, सुधाकर पांडेय, अरुण सिंह, सुभाष सिंह पटेल, अश्विनी सिंह पटेल, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, अशोक पांडेय, राजमणि पासवान आदि के नाम चर्चा में है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक अशोक बाजपेयी का कहना है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी तैयारी में जुटी हुई है। इसलिए महानगर, गंगापार और यमुनापार में जनाधार वाला और समर्पित कार्यकर्ता ही अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

वसंत पंचमी पर स्कूल जाएंगे बच्चे, नए कैलेंडर में छुट्टी खत्म, नए साल में शिक्षकों की छुट्टियां घटीं

प्रयागराज। यूपी के प्राइमरी स्कूलों के लिए 2025 का कैलेंडर जारी हो गया है। बेसिक शिक्षा परिषद ने बृहस्पतिवार को नई अवकाश तालिका जारी कर दी। नए कैलेंडर में बसंत पंचमी का अवकाश समाप्त कर दिया गया है, जबकि अनंत चतुर्दशी पर छुट्टी घोषित की गई है। वहीं, नए साल में शिक्षकों को 31 अवकाश मिलेंगे। इस बार तीन रविवार को तीन छुट्टियां पड़ रही

हैं। बसंत पंचमी तीन फरवरी सोमवार को पड़ रही है। जबकि, अनंत चतुर्दशी छह सितंबर शनिवार को है। अनंत चतुर्दशी पर पहली बार छुट्टी घोषित हुई है। यह सूची सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेजी गई है। वहीं, हरतालिका तीज, करवाचौथ, संकठा चतुर्थी और ललई छठ, जीउतिया, अहोई अष्टमी का अवकाश शिक्षिकाओं, जबकि पितृ विसर्जन का अवकाश शिक्षकध शिक्षिकाओं को देय होगा। 2025 में मिलने वाले 31 अवकाश में से तीन रविवार को पड़ रहे हैं। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, रामनवमी 31 मार्च और मोहर्रम छह जुलाई रविवार को है। वहीं, दस अवकाश ऐसे हैं जो शनिवार या सोमवार को पड़ रहे हैं। इनमें रविवार को जोड़ने पर दो दिन की छुट्टी मिलेगी। गुरु गोविंद सिंह जयंती छह जनवरी, मकर संक्रांति 14 जनवरी, गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, संत रविदास जयंती 12 फरवरी, महाशिवरात्रि 26 फरवरी, होलिका दहन 13 और होली 14 मार्च, ईद–उल–फितर 31 मार्च, डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल, बुद्ध पूर्णिमा 12 मई, नरक चतुर्दशी 20 अक्तूबर, गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस 24 नवंबर को है। बकरीद सात जून, रक्षाबंधन नौ अगस्त, जन्माष्टमी 16 अगस्त, अनंत चतुर्दशी 06 सितंबर को है। प्राइमरी स्कूलों की अवकाश तालिका जारी की गई है। विभाग के निर्देश पर इसे जिले के सभी विद्यालयों में लागू कराया जाएगा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा करेंगे 56 स्पेशल साइबर योद्धा, सभी थानों में रहेगी हेल्पडेस्क

प्रयागराज। महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए 56 साइबर योद्धा तैनात किए जा रहे हैं। योजना के तहत साइबर ठगों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए सभी थानों में एक स्पेशल साइबर हेल्प डेस्क बनाई जा रही है। इसमें साइबर पेट्रोलिंग के लिए एक्सपर्ट तैनात किए गए हैं। वहीं, वीएमडी पर फिल्म के साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी श्रद्धालुओं को जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए बाकायदा एआई, एक्स, फेसबुक और गूगल का विधिवत उपयोग हो रहा है। महाकुंभ मेले में तकरीबन 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया हर प्लेटफार्म का सहारा लिया गया है। योजना के तहत मेला क्षेत्र और कमिश्नरेट में जगह–जगह वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले (वीएमडी) लगाने की तैयारी की गई है। योजना के तहत 40 वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले मेला क्षेत्र और 40 कमिश्नरेट में लगाए जा रहे हैं, जिनसे साइबर सिक्योरिटी को लेकर श्रद्धालुओं को जागरूक किया जाएगा। श्रद्धालुओं को जागरूक करने के अलावा उन्हें एआई, डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया स्कैमर्स से बचाने के लिए महाकुंभ साइबर थाना बनाया गया है। एक्सपर्ट की टीम ने फिलहाल लगभग 50 वेबसाइटों को अपने रडार पर लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके अलावा फर्जी वेबसाइटों की सूचना भी यहां थाने में दी जा सकती है, जिस पर साइबर थाना तुरंत कार्रवाई करेगा। वहीं, ठगों के ऐसे गिरोह जो एआई, फेसबुक, एक्स या इंस्टाग्राम के माध्यम से लोगों से पैसे मांगते हैं, उन पर भी साइबर एक्सपर्ट नजर रख रहे हैं। शिकायत मिलते ही उन पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी ने बताया कि सभी 56 थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की जा रही हैं। साइबर ठगों से सावधान करने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में वीएमडी पर फिल्म चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

एसआरएन अस्पताल में स्थापित होगी केमिकल, न्यूक्लियर और रेडियोलॉजिकल ट्रीटमेंट यूनिट

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान लोगों की सुरक्षा के लिए स्वरूपरानी हॉस्पिटल में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर ट्रीटमेंट यूनिट स्थापित की जा रही है। खास बात यह है कि फिलहाल दिल्ली एम्स में ही इस तरह की अत्याधुनिक प्रयोगशाला उपलब्ध है। प्रयोगशाला का उद्देश्य रासायनिक, जैविक और न्यूक्लियर खतरों पर प्रभावी नियंत्रण और अनुसंधान करना है। यह यूनिट महाकुंभ–2025 को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है। महाकुंभ में करोड़ों तीर्थयात्रियों के आने की संभावना है। इसके मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इसके तहत एसआरएन अस्पताल में सीबीआरएन यूनिट स्थापित होगी। यह रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर आपदाओं से निपटने में सहायक होगी। हास्टिपल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. अजय सक्सेना का कहना है कि सीबीआरएन यूनिट न केवल चिकित्सा सेवाओं में सुधार लाएगी, बल्कि मेडिकल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण के नए अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि यह विषैले गैसों या रसायनों के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के लिए डीकंटैमिनेशन (शरीर से रासायनिक तत्व हटाना) का कार्य करेगी। वहीं संक्रमणकारी वायरस, बैक्टीरिया और फंगस से संक्रमित मरीजों के उपचार में सहायक होगी। इसके अलावा रेडियोधर्मी सामग्री के संपर्क में आए व्यक्तियों के लिए विशेष उपचार और शरीर से रेडियोधर्मी तत्व हटाने में भी कारगर होगी। इस यूनिट के नोडल अधिकारी वरिष्ठ फिजिशियन मेजर डॉ. जितेंद्र शुक्ला हैं, जो अपने अनुभव और विशेषज्ञता के साथ इस प्रयोगशाला का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ टीम में डॉ. देव कुमार यादव, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. मुक्तेश शामिल हैं। आपात स्थिति के दौरान प्रभावी उपचार और प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए नरोरा परमाणु विद्युत स्टेशन में दो से सात दिसंबर तक एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसमें प्रयागराज से डॉ. जितेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में डॉ. आलोक सिंह डॉ. मुक्तेश एवं डॉ. देव कुमार यादव ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रतिभागियों को परमाणु, जैविक और रासायनिक आपात स्थितियों के दौरान चिकित्सा प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। साथ ही रेडियोधर्मी विकिरण की पहचान, उपचार के तरीके और प्रभावित व्यक्तियों की चिकित्सा देखभाल के प्रभावी प्रोटोकॉल पर विस्तार से चर्चा की गई। नई यूनिट एसआरएन अस्पताल की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

'बीट आरक्षी के सर्तकता से 03 गैंगस्टर अभियुक्तगिरफ्तार'

■ थाना अन्तू के आरक्षी अवधेश यादव ने गैंगस्टर अभियुक्त पर कसा शिंकजा'

■आरक्षी अवधेश यादव ने साये की तरह विछाए रखी अपनी पैनी नजर'

■ एसपी द्वारा अपराधी की पतारसी सुरागरसी के लिये थाना अन्तू के आरक्षी अवधेश याादव को प्रशस्ति- पत्र, नगद पुरस्कार तथा चरित्र पंजीका में उत्त्म प्रविष्टि हेतु दिये गये निर्देश'

■ थाना अन्तू के अतंर्गत अभियुक्तों को नन्दलालपुर मोड़ के पास ग्राम राजापुर रैनिया से किया गया गिरफ्तार'

■ गिरफ्तार गैंगस्टर अभियुक्तगण हत्या, हत्या का प्रयास, गोवध निवारण अधिनियम जैसे गम्भीर अपराध में संलिप्त हैं'

■ जनपद में अपराध नियंत्रण/संगीन धाराओं में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु बीट पुलिसिंग प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है।''

प्रतापगढ़ । 'इसी क्रम में थाना अन्तू के बहादुर आरक्षी अवधेश यादव के सहयोग' से आज दिनांक 27.12.2024 को थाना अन्तू पुलिस द्वारा 'मु0अ0सं0 650/24 धारा 2/3 उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986' थाना अन्तू में 03 वांछित अभियुक्तगण 01. अमरदेव यादव पुत्र रामसुमेर यादव उम्र 50 वर्ष, गैंग के सदस्य 02. प्रदीप यादव पुत्र सदाशिव यादव उम्र 24 वर्ष, 03. मोहित यादव उर्फ विजय कुमार यादव पुत्र जगदेव यादव उर्फ नन्हे उम्र 19 वर्ष निवासीगण शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ को थानाक्षेत्र अन्तू के नन्दलालपुर मोड़ के पास ग्राम राजापुर रैनिया के पास से गिरफ्तार किया गया । 'गैंगस्टर एक्ट के गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–'

01. अमरदेव यादव पुत्र रामसुमेर यादव निवासी शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ उम्र 50 वर्ष,

02. प्रदीप यादव पुत्र सदाशिव यादव, निवासी शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ उम्र 24 वर्ष

03. मोहित यादव उर्फ विजय कुमार यादव पुत्र जगदेव यादव उर्फ नन्हे निवासी शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ उम्र 19 वर्ष

'आपराधिक इतिहास–'

'1– अमरदेव यादव पुत्र रामसुमेर यादव उम्र 50 वर्ष निवासी शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ का आपराधिक इतिहास'–

1. मु0अ0सं0 42/21 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधि0 व 11(घ) पशु क्रूरता निवारण अधि0 थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

2. मु0अ0सं0 47/24 धारा 147, 148, 302, 323, 34, 504, 506 भादवि थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

3. मु0अ0सं0 272/24 धारा 506 भादवि थाना अन्तू जनपद प्रतापगढ़ ।

4. मु0अ0सं0 546/24 धारा 109, 351(3) बी.एन.एस. थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

'2– प्रदीप यादव पुत्र सदाशिव यादव उम्र 24 वर्ष निवासी शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ का आपराधिक इतिहास–'

1. मु0अ0सं0 47/24 धारा 147, 148, 302, 323, 34, 504, 506 भादवि थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

2. मु0अ0सं0 272/24 धारा 506 भादवि थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

3. मु0अ0सं0 546/24 धारा 109, 351(3) बी.एन.एस. थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

'3– मोहित यादव उर्फ विजय कुमार यादव पुत्र जगदेव यादव उर्फ नन्हे उम्र 19 वर्ष निवासी शुकुलपुर राजापुर रैनिया थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ का आपराधिक इतिहास–'

1. मु0अ0सं0 47/24 धारा 147, 148, 302, 323, 34, 504, 506 भादवि थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

2. मु0अ0सं0 546/24 धारा 109/351(3) बी.एन.एस. थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़ ।

जिलाधिकारी ने पूरेकेशवराय स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी संजीव रंजन ने अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा के साथ पूरेकेशवराय स्थित वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गोदाम में रखी गयी वीवीपैट मशीनों का अवलोकन किया और जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। उन्होने वीवीपैट वेयरहाउस में रखी अन्यत्र वस्तुओं को हटाने के निर्देश दिया और सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वीवीपैट वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैदी के साथ करते रहे। जिलाधिकारी ने अपने समक्ष वीवीपैट वेयरहाउस में सील लॉक कराया। इस दौरान उपजिलाधिकारी जितेन्द्र पाल व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

एमवीडीए को दो साल और करना होगा अपने नए कार्यालय का इंतजार

–21.48 करोड़ की लागत से दो साल मे तैयार होगा एमवीडीए का चार मंजिला कार्यालय

मथुरा। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के चार मंजिला नवीन कार्यालय भवन की शुक्रवार को आधारशिला रखी गई। इसका भूमि पूजन करते हुए उपाध्यक्ष एसबी सिंह ने कहा कि विकास प्राधिकरण का यह नवीन कार्यालय भवन आधुनिक सुविधायुक्त होगा, जो दो वर्ष में करीब 21.48 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा। सिविल लाइन स्थित मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के नवीन कार्यालय भवन का निर्माण कार्य अब शुरु हो गया। इस दौरान निर्माण स्थल पर भूमि पूजन उपाध्यक्ष एसबी सिंह, सचिव अरविंद कुमार द्विवेदी, ओएसडी प्रसून द्विवेदी, अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम ने विधिवत रूप से किया। इस दौरान उपाध्यक्ष एसबी सिंह ने बताया कि कार्यालय भवन के निर्माण पर 21.48 करोड़ की लागत आएगी। यह चार मंजिल का होगा। दो मंजिल बेसमेंट भी रहेगा, जिसका उपयोग पार्किंग और कैंटीन के लिए किया जाएगा। सभी चार मंजिल यहाँ आने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान रखते हुए तैयार किए जाएंगे। भूतल पर मीटिंग रूम, राजस्व रूम, विधिक रूम, मेप रूम, रिकॉर्ड रूम और जनसुनवाई कार्यालय का निर्माण किया जाना है। इसके ऊपर प्रथम तल पर टीपी एटीपी रूम, अकाउंट पटल, अवर अभियंता पटल संपत्ति पर अवैध निर्माण के साथ पेंट्री व स्टोर रूम भी बनाया जाएगा। उन्होंने ने बताया कि द्वितीय तल पर उपाध्यक्ष, सचिव, ओएसडी, मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता कक्ष के साथ कांफ्रेंस रूम और मीटिंग हॉल बनाया जाएगा। तृतीय तल पर सहायक और अवर अभियंता कक्ष रहेंगे। एसबी सिंह ने बताया कि चतुर्थ तल पर लाइब्रेरी और सर्वर रूप रहेगा। सभी तल पर पहुंचने के लिए चार लिफ्ट और मैकेनिज्म कार पार्किंग बनाई जाएगी। प्रत्येक तल पर टायलेट ब्लाक रहेगा। यह कार्यालय भवन करीब दो साल में बनकर तैयार होगा। इस मौके पर सहायक अभियंता सुनील अग्रवाल, अवर अभियंता विमल कोहली आदि मौजूद रहे।

एनयूजे के राष्टीय संगठन मंत्री प्रमोद गोस्वामी सम्मानित

प्रयागराज जिला इकाई की ओर से प्रमोद को बधाई

प्रयागराज सपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की स्वामी जयंती पर आयोजित एक समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं विधान परिषद सदस्य पवन सिंह द्वारा एनयूजे आई के राष्टीय संगठन मंत्री श्रीमान प्रमोद गोस्वामी को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर समस्त प्रयागराज जिला इकाई प्रमोद को हार्दिक बधाई और शुभकामना देता है ।

एक दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों को ''पर ड्राप मोर क्रॉप''-माइक्रोइरीगेशन योजना की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। ''पर ड्राप मोर क्रॉप–माइक्रोइरीगेशन योजना वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत एक दिवसीय कृषकों का प्रशिक्षण ग्राम पृथ्वीगंज बाजार विकास खण्ड शिवगढ़ में जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा एवं कम्पनियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें विकास खण्ड शिवगढ़ के किसान सम्मिलित हुये। किसानों को ''पर ड्राप मोर क्रॉप''–माइक्रोइरीगेशन योजना में मिलने वाले अनुदान एवं

खेती में सिंचाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुये कम पानी एवं कम लागत में उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाकर कृषकों की आय को दोगुना करने की जानकारी प्रदान की गयी। कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित किसानों को ड्रिप सिंचाई पद्धति, मिनी स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर एवं लार्ज वाल्यूम (रैनगन) का प्रयोग करते हुये किन–किन फसलों की बुआई करना चाहिये तथा जैव उर्वरक एवं जैव रसायन का घोल बनाकर वेन्चुरी के माध्यम से प्रयोग करने की विधि भी बतायी गयी। गोष्ठी में विनय कुमार सिंह योजना प्रभारी, वीरेन्द्र नारायण लाल एवं कृषक हरीराम आदि उपस्थित रहे।

'थाना जेठवारा पुलिस द्वारा 01 गैंगस्टर अभियुक्त गिरफ्तार'

थाना जेठवारा के उ0नि0 वारिज मय हमराह हे0कां0 राज सिंह, हे0कां0 दीपक सरोज, , कां0 कुलदीप कुमार ने गैंगस्टर अभियुक्त पर कसा शिंकजा'

एसपी के निर्देशन में प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही जारी–'

थाना जेठवारा के अतंर्गत अभियुक्त को उसके घर के पास से किया गया गिरफ्तार'

गिरफ्तार गैंगस्टर अभियुक्तगण चोरी जैसे गम्भीर अपराध में संलिप्त हैं'

'जनपद में अपराध नियंत्रणध्संगीन धाराओं में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु बीट पुलिसिंग प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है।'

प्रतापगढ़ । इसी क्रम में 'थाना जेठवारा के उ0नि0 वारिज मय हमराह हे0कां0 राज सिंह, हे0कां0 दीपक सरोज, कां0 कुलदीप कुमार' ने आज दिनांक 27.12.2024 को मु0अ0सं0 322/24 धारा 2ध्3 उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 थाना जेठवारा में 01 वांछित अभियुक्तगण अमित विश्वकर्मा पुत्र शिवकुमार विश्वकर्मा निवासी ग्राम सराय नाहर राय थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया । 'गैंगस्टर एक्ट के गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–'

1– अमित विश्वकर्मा पुत्र शिवकुमार विश्वकर्मा निवासी ग्राम सराय नाहर राय थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़

'अमित विश्वकर्मा पुत्र शिवकुमार विश्वकर्मा निवासी ग्राम सराय नाहर राय थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ का आपराधिक इतिहास–'

1. मु0अ0सं0 116/2023 धारा 457, 380, 411 भादवि थाना जेठवारा प्रतापगढ़ ।

2. मु0अ0सं0 117/2023 धारा 379, 411 भादवि थाना जेठवारा प्रतापगढ़ ।

3. मु0अ0सं0 159/2023 धारा 379, 411 भादवि थाना लीलापुर प्रतापगढ़ ।

नया सालः भीड़ नियंत्रण, भगदड़ रोकने को संयुक्त पूर्वाभ्यास

–अग्निकांड, भगदड़ व डूबने के परि श्य पैदा कर किये गये बचाव कार्य

मथुरा। इन दिनों समूचे ब्रज में भीड़ का बेजा दबाव बना हुआ है। आगामी कुछ दिनों यह दबाव और बढेगा। खास कर वृंदावन सहित दूसरे प्रमुख स्थलों पर अनुमान से अधिक भीडभाड होने की संभावना जताई जा रही है। एक अनुमान के तहत 80 लाख से एक करोड तक लोग नए साल पर मथुरा जनपद के विभिन्न धार्मिक स्थलों, मठ मंदिरों और आश्रमों में आ सकते हैं। मंदिर प्रबंधनों और जिला प्रशासन की ओर से एडवाइजरी जारी की गई हैं। साथ ही 25 दिसम्बर से दो जनवरी तक वृंदावन में और प्रवेश मार्गों पर यातायात को लेकर व्यापक बदलाव किये गये हैं। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशानुसार अग्निकांड, भगदड़ व डूबने के परिदृश्य पर मेगा मॉक एक्सरसाइज का आयोजन जनपद में चिन्हित दो स्थलों पर किया गया। रूपम सिनेमा निकट श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर अग्निकांड व भगदड़ परिदृश्य पर व यमुना घाट, गोकुल बैराज पर डूबने के परिदृश्य पर ड्रिल का आयोजन किया गया। योगानन्द पाण्डेय अपर जिलाधिकारी (वि. रा.) इंसिडेंट कमांडर की भूमिका निभाते हुए कण्ट्रोल रूम में रूपम सिनेमा हॉल में अग्निकांड व भगदड़ की सूचना उपलब्ध होने पर घटना स्थल पर पहुंचे जहा पर कुल आठ व्यक्तियों को प्रभावित बताया गया। जिनका रेस्क्यू अग्निशमन विभाग व सिविल डिफेन्स के स्वयंसेवकों के द्वारा कराया गया। तीन व्यक्तियों को रूपम सिनेमा में स्थापित मेडिकल पोस्ट पर प्राथमिक उपचार के बाद डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रवाना किया गया व पांच व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार मेडिकल पोस्ट पर ही उपलब्ध कराया गया। इस मॉक ड्रिल के बाद गोकुल बैराज पर डूबने के परिदृश्य पर मॉक ड्रिल कराया गया। जिसमें दो व्यक्तियों के डूबने का परिदृश्य बना कर राज्य आपदा मॉक बल की टीम की सहायता से उनका रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत मेडिकल पोस्ट पर प्राथमिक उपचार के बाद उनको डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रवाना किया गया। मॉकड्रिल के दौरान योगानन्द पाण्डेय अपर जिलाधिकारी (वि. रा.), तहसीलदार सदर सौरभ, तहसीलदार महावन सुशील, आपदा विशेषज्ञ सुशील कुमार, अग्निशमन अधिकारी अपनी टीम के साथ, पुलिस प्रशासन की टीम, राज्य आपदा मोचक बल की टीम मनीश के नेतृत्व में सिविल डिफेन्स टीम, आपदा मित्र आदि मौजूद रहे।

एक प्रधानमंत्री जो जीता था साधारण जीवन, डॉ. मनमोहन सिंह के बॉडीगार्ड रह चुके योगी के मंत्री असीम अरुण ने ताजा की यादें

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के दिग्गज नेता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। दिल्ली के एम्स अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। इस दुखद घटना पर पूरे देश में शोक की लहर है। इसी बीच योगी सरकार में मंत्री और पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण ने डॉ मनमोहन सिंह को याद करते हुए उनके साथ बिताए तीन साल के एक किस्से को साझा किया है। असीम अरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं 2004 से लगभग तीन साल उनका बॉडी गार्ड रहा। एसपीजी में पीएम की सुरक्षा का सबसे अंदरुनी घेरा होता है–क्लोज प्रोटेक्शन टीम जिसका नेतृत्व करने का अवसर मुझे मिला था। एआईजी सीपीटी वो व्यक्ति है जो पीएम से कभी भी दूर नहीं रह सकता। यदि एक ही बॉडी गार्ड रह सकता है तो साथ यह बंदा होगा। ऐसे में उनके साथ उनकी परछाई की तरह साथ रहने की जिम्मेदारी थी मेरी। अपने पोस्ट में असीम अरुण डॉ. मनमोहन सिंह की सादगी को दर्शाते हुए आगे लिखते हैं, डॉ साहब की अपनी एक ही कार थी – मारुति 800, जो पीएम हाउस में चमचमाती काली बीएमडब्ल्यू के पीछे खड़ी रहती थी। मनमोहन सिंह जी बार–बार मुझे कहते– असीम, मुझे इस कार में चलना पसंद नहीं, मेरी गड्डी तो यह है (मारुति)। मैं समझाता कि सर यह गाड़ी आपके ऐश्वर्य के लिए नहीं है, इसके सिक्योरिटी फीचर्स ऐसे हैं जिसके लिए एसपीजी ने इसे लिया है। लेकिन जब कारकेड मारुति के सामने से निकलता तो वे हमेशा मन भर उसे देखते।

घरौनी पर बैंक से कर्ज ले सकेंगे लोग

–149834 घरौनियों का होगा वितरण

मथुरा। स्वामित्व योजना के तहत जनपद में घरौनी वितरित की जाएंगी। देश स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में तहसील मथुरा में 3687, छाता में 1624, मांट में 1003, महावन में 2791, गोवर्धन में 3866 मथुरा जनपद के कुल 12971 लाभार्थी को घरों का दस्तावेज मिलेगा तथा तहसील मथुरा में 24056, छाता में 44353, मांट में 35305, महावन में 15755 और गोवर्धन में 30365 कुल पूरे जनपद में 149834 घरौनी वितरित की जाएंगी। स्वामित्व योजना तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आवासित ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाता है, जिनके पास अपने घरों का दस्तावेज नहीं है। सरकार की मंशा है कि इस तरह के लोगों की जमीन व आवास का कागजात उपलब्ध कराकर दबंगों के कब्जा से बचाया जाए। इस तरह के लोग अपनी जमीन पर बैंक कर्ज समेत अन्य सरकारी सुविधा का लाभ भी ले सकें। यूपी के 18, 849 लाभार्थी लाभान्वित होंगे। जनपद में अब तक 47 हजार से अधिक लोगों को घरौनी यानी खतौनी उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में प्रदेश के एक मात्र जालौन जनपद को छोड़ शेष समस्त जिलों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के 18, 849 व देशभर में 29 हजार 127 लाभार्थी लाभान्वित होंगे। अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना कार्यक्रम के दौरान ऑनलाइन कुछ लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। इसके बाद सांकेतिक रूप से कुछ को ऑनलाइन घरौनी जारी करेंगे। इसके बाद जनपद स्तर पर जिला व ब्लॉक मुख्यालय और ग्राम पंचायत स्तर पर इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा और कार्यक्रम के दौरान मौजूद जनप्रतिनिधि लाभार्थियों को अपने हाथ से घरौनी का दस्तावेज सौंपेंगे

जनपद के प्रथम लोकपाल ने लोकपाल की जन सुनवाई में प्रतिभाग कर किया मार्गदर्शन, दिये सुझाव

विहार ब्लाक के खरगीपुर व भीटी नैन की समस्याओ को सुना तथा सांगीपुर के गधियान ग्राम के प्रधान व मनरेगा कर्मियों के बयान हुए दर्ज

कामाक्षी धाम के प्राचीन कुंवे के संरक्षण की हुई मांग

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जनसुनवाई में जनपद के प्रथम लोकपाल पूर्व मुख्य विकास अधिकारी भूपेंद्र त्रिपाठी ने आज प्रतिभाग कर मार्गदर्शन व सुझाव दिया। वहीं विहार ब्लाक के खरगीपुर की पुरानी शिकायत व भीटी नैन की समस्याओ को सुना गया तथा सांगीपुर ब्लाक के मनरेगा कर्मियों के बयान दर्ज हुए। प्रसिद्ध कामाक्षी धाम के प्राचीन कुंवे के संरक्षण की हुई मांग पूर्व लोकपाल श्री त्रिपाठी ने लोकपाल समाज शेखर के साथ जनपद मे मनरेगा योजना तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा करते हुए आवश्यक सुझाव दिया। साथ ही हर संभव सहयोग का वायदा किया। विहार ब्लाक के खरगीपुर मे सर्वेश शुक्ल की शिकायत व भीटी नैन के आशीष सिंह व दिवाकर शुक्ल की समस्याओ को सुना गया तथा जल्द ही समाधान के निर्देश दिया गया। सांगीपुर ब्लाक के मनरेगा कर्मियों ग्राम विकास अधिकारी, तकनीकी सहायक व रोजगार सेवक के बयान ग्राम के राम मिलन सरोज के शिकायतों के संदर्भ में दर्ज हुए। वहीं लोकपाल ने ग्राम के मजदूरों की सूची पंचायत भवन में एक सप्ताह के भीतर चस्पा करने का निर्देश दिया। साथ ही जल्द ग्राम में चौपाल लगाकर समस्याओ का समाधान करने का निर्देश दिया। लोकपाल समाज शेखर ने बिहार ब्लाक के प्रसिद्ध कामाक्षी धाम के प्राचीन कुंवे के संरक्षण की ग्रामीणों की मांग पर विचार करते हुए संरक्षण व प्रबंधन हेतु ग्राम पंचायत व बीडीओ को निर्देश देने का निर्णय लिया।

प्रियतम निवेदन

हे मन मधुबन के सुमन प्रिये
मृदुल सुरभि बन शोभित रहो
हे जीवन–ज्योत,हे मांग सिंदूर
चकोर चांद सा मोहित रहो

मुस्कुराए हर प्रात–रात
अधर झरे स्मित पराग
अरुणिमा सज उठे गाल
सांस–सांस सुस्मित रहो

हे जीवन–ज्योत.....

मन झंकृत तन है पुलकित
वो अमर प्रेम,श्रृंगार तुम्हीं
तुमको पाकर झूमूं गर्वित
सुर–संगीत बन गुंजित रहो

हे जीवन ज्योत...

दृगपुलीनों में सूरत प्यारी
तुम दर्पण मैं छवि तुम्हारी
जीवनसाथी ,गंगलाभ तक
संग चलो मुखरित रहो

हे जीवन–ज्योत.....

डॉ. संगीता बनाफर

सम्पादकीय.....

वक्त की आवाज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में दिए वक्तव्य में धर्म के नाम पर पैदा की जा रही गलतफहमियां दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनना तो ठीक है लेकिन इस तरह के नये–नये मंदिर विवाद खड़ा करना देश की सामाजिक समरसता के लिये ठीक नहीं है। उन्होंने स्वीकारा कि विविधता हमारा वर्तमान तो है लेकिन ये हमारे अतीत का हिस्सा भी रहा है। देश में विभिन्न धर्म–संस्कृति के लोग आते रहे हैं। प्रारंभिक मतभेद और कटुता को दूर करके भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनते रहे हैं। जिससे विविधता के बीच एकता के सूत्र विकसित होते रहे हैं। यही वजह है कि बाद में कानून के जरिये तय हुआ कि आजादी के वक्त पूजा स्थल का जैसा स्वरूप रहा, उसे यथास्थिति में बनाये रखा जाये। निश्चित रूप से ऐसे विवादों को हवा देने से सामाजिक समरसता पर आंच आएगी व देश का विकास बाधित होगा। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य व कतिपय अन्य धर्मगुरुओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बयान को भागवत की निजी राय बताया। निश्चित रूप से भागवत का बयान समय की आवाज है और बकौल भागवत धर्म की सतही समझ से सांप्रदायिक कट्टरता को बढ़ावा मिलता है। लेकिन यह बात विचारणीय है कि भागवत के बयान के विरोध में तो आवाजें उठी, लेकिन संघ प्रमुख के बयान के समर्थन में संघ के आनुषंगिक संगठनों व भाजपा नेताओं की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह के ऐसे बयानों के समर्थन में पार्टी नेताओं में बयानबाजी की होड़ पैदा हो जाती है। समय की मांग है कि संघ प्रमुख के बयान में निहित संदेश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि संघ की स्थापना के मूल में हिंदुत्व की विचारधारा रही है। यही इस संगठन का आधार भी रहा है। ऐसे में जब संगठन की तरफ से प्रगतिशील विचार सामने आता है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसका स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, धर्म एक जटिल मुद्दा है और इसके वास्तविक स्वरूप को समझे जाने में चूक होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिलने की आशंका बलवती होती है। वहीं सवाल उठता है कि क्या भागवत के बयान वाला दृष्टिकोण संगठन में उदारवादी व सख्त नीति के बीच विभाजित हो रहा है? यही वजह है कि संघ व भाजपा नेताओं की तरफ से इस बयान को सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला है। इस बयान को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथियों के वर्चस्व के रूप में देखा जा सकता है। भागवत की चिंताओं को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पूरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरता के चलते संप्रदाय को अतिवाद के पोषक के रूप में देखा जाता रहा है। जिसके चलते इसकी छवि धूमिल हुई है। ऐसे ही यदि बहुसांस्कृतिक देश में कट्टरवाद को प्रश्रय दिया जाता है तो वैश्विक संदर्भ में देश की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। धर्म विशेष के नाम पर दुनिया में आतंकवाद की जो मुहिम चली है, उससे धर्म को हिंसा के पर्याय के रूप में देखा जाने लगा है। जिसको लेकर धारणा बनी है कि इससे धर्म की गलत व्याख्या की जा रही है। निश्चित रूप से ऐसे ध्रुवीकरण के प्रयासों से देश में विकास का एजेंडा हाशिये पर चला जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए जहां नित नये विवादों को तूल देने के कारण सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि देखी गई। उदाहरण के तौर पर संभल में हुई घटना को देखा जा सकता है, जहां हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। ऐसे कृत्यों से भारत के विश्वगुरु बनने के दावे तथा वसुधैव कुटुंबकम की सनातन परंपरा पर आंच आती है। जिसके लिए जरूरी है कि हमें अपनी बात को ऊंचा रखकर दूसरे विचार की अनदेखी की जिद से बचना होगा। हम अपनी आस्था का ख्याल तो रखें लेकिन साथ ही दूसरे पक्ष के विचार का भी सम्मान करें। ऐसे में देश के कर्णधारों को चाहिए कि वे सत्ता पर काबिज रहने के लिये धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति से बचें।

एक्सीडेंटल राजनेता, क्रांतिकारी अर्थशास्त्री

उमेश चतुर्वेदी

2004 में भारतीय जनता पार्टी के इंडिया शाइनिंग अभियान को धत्ता बताते हुए कांग्रेस की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्रीय सत्ता का दावेदार बन गया। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि मनमोहन सिंह अगले प्रधानमंत्री बनेंगे।

साल 1999 के आम चुनावों में दिल्ली की सात में छह सीटों पर तत्कालीन सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को करारी हार मिली थी। दक्षिण दिल्ली की इकलौती ऐसी सीट रही, जहां बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा को जीत मिली थी। मल्होत्रा के सामने जिन्हें हार मिली थी, वे राजनेता मनमोहन सिंह थे। उन दिनों मैं दैनिक भास्कर के दिल्ली ब्यूरो में काम करता था। अखबारी रिपोर्टिंग की एक रवायत है। वह विजेताओं को ही खोजती है और उनकी ही बात करती है। लेकिन हमारे तत्कालीन ब्यूरो चीफ और दिग्गज पत्रकार शरद द्विवेदी ने मुझे सफदरजंग रोड भेज दिया, जहां मनमोहन सिंह बतौर राज्यसभा सांसद रह रहे थे। शरद द्विवेदी का तर्क था कि मनमोहन सिंह देश की अर्थव्यवस्था को बदलने वाले राजनेता हैं। उनके घर का माहौल देखना चाहिए और उस पर स्टोरी लिखनी चाहिए। मैं जब मनमोहन सिंह के घर पहुंचा तो वहां करीब साठ–सत्तर कार्यकर्ता मौजूद थे। बंगले में एक तरह से उदासी छायी थी। एक ड्रम में रसना घोल रखी गई थी और आने वाले लोगों को पिलाई जा रही थी। वहां कांग्रेस का कोई बड़ा नेता मौजूद नहीं था, सिवा राजस्थान के रामनिवास मिर्धा के। मिर्धा भी चुपचाप एक कोने में खड़े थे। और तो और, वहां पत्रकार भी नहीं थे। मेरे पहुंचने के बाद बंगले में सिर्फ एक और पत्रकार आए। इस बीच साधारण से सफेद कुर्ता–पाजामा और नीली पगड़ी में मनमोहन सिंह मेरी तरफ मुखातिब हुए। उन्हें मैंने बतौर पत्रकार परिचय दिया तो उन्होंने कांपते हाथों से हाथ मिलाया और फिर उसी तरह तकरीबन कांपते हुए रसना का गिलास मुझे थमा दिया। उस वक्त मैंने बचकाना सा सवाल पूछ लिया था, क्या सोच रहे हैं? 'वैसा ही सोच रहे हैं, जैसा कोई हारा हुआ प्रत्याशी सोचता है।' उनका जवाब था। मनमोहन सिंह को उसके बाद राज्यसभा और दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में खूब देखा। वे कभी पढ़ते हुए दिखते तो कभी चुपचाप बैठे हुए। 2004 में भारतीय जनता पार्टी के इंडिया शाइनिंग अभियान को धत्ता बताते हुए कांग्रेस की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्रीय सत्ता का दावेदार बन गया। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि मनमोहन सिंह अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। उस वक्त माना यह जा रहा था कि अगर किसी वजह से सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगी तो प्रणब मुखर्जी देश के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। लेकिन सोनिया गांधी ने प्रणब मुखर्जी की बजाय मनमोहन सिंह पर भरोसा किया। 1991 में जब नरसिंह राव ने केंद्र की सत्ता संभाली, तब देश भारी आर्थिक संकट से गुजर रहा था। देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उसे विदेशी विनिमय के लिए अपना 67 टन सोना ब्रिटेन में गिरवी रखकर उसके एवज में 2.2 अरब डॉलर का कर्ज लेना पड़ा था। ऐसे माहौल में नई सरकार के लिए देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना बड़ी चुनौती थी। लेकिन नरसिंह राव ने इसे स्वीकार किया। उन्होंने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण के साथ ही आर्थिक सुधारों की शुरूआत की। 1991 के चुनावों के बाद बनी नई सरकार ने 25 जुलाई 1991 को नया बजट पेश किया। उसी बजट को पेश करते हुए बतौर वित्त मंत्री देश को नई आर्थिक राह पर लेकर चल पड़े। उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक सुधार के साथ देश आर्थिक मोर्चों को फतह करते हुए आगे बढ़ चला। इस राह पर देश आज कितना आगे बढ़ चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश का आज आर्थिक नक्शा बदला हुआ नजर आता है तो उसकी बड़ी वजह मनमोहन सिंह की रखी हुई बुनियाद ही है। मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के रूप ही याद किया जाता है। लेकिन प्रधानमंत्री को राजनेता भी होना चाहिए। मनमोहन आधुनिक और प्रचलित अर्थों में राजनेता नहीं थे। उनके ही मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने उन्हें एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहा है। मनमोहन सिंह पर आरोप लगा कि वे कठपुतली प्रधानमंत्री हैं। उनकी सरकार को सलाह देने के लिए सोनिया गांधी की अगुआई में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद बनी, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह सलाहकार कम, आदेश देने वाली संस्था है। उनकी ही सरकार ने तीन साल की सजा पाने वाले राजनेताओं की संसद और विधानमंडल की सदस्यता खत्म होने को रोकने वाला अध्यादेश पारित किया था, जिसे राहुल गांधी ने फाड़ कर एक तरह से उस अध्यादेश को प्रभावहीन कर दिया था। मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक, दस साल देश के प्रधानमंत्री रहे। पहले कार्यकाल में तो नहीं, लेकिन 2009 से 2014 के कार्यकाल में उनकी सरकार और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। बेशक प्रधानमंत्री के रूप में उनके चरित्र और दामन पर कोई दाग नहीं लगा। लेकिन उनकी चुप्पी देश को खलती रही। इसलिए उन्हें मौनमोहन तक कहा जाने लगा था। बिल्कुल मामूली परिवार में जन्मे मनमोहन सिंह ने अर्थशास्त्र की ऊंची शिक्षा हासिल की। कैंब्रिज में अर्थशास्त्र की ऊंची शिक्षा ली, दिल्ली के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में अर्थशास्त्री रहे, भारत के रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे, योजना आयोग में रहे, वित्त मंत्री रहते हुए इतिहास ही रचा। मनमोहन सिंह के बतौर प्रधानमंत्री कुछ बयान विवादास्पद भी रहे। उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है। उनका एक और बयान था कि पैसे पेड़ पर नहीं फलते।

बेलगांव गांधी और कांग्रेस

अरविंद कुमार सिंह

हालांकि गांधीजी केवल एक साल ही कांग्रेस अध्यक्ष रहे लेकिन 1920 के बाद से अपने निधन तक कांग्रेस के सबसे प्रमुख नीति निर्धारक बने रहे। कांग्रेस अध्यक्ष के अपने सीमित काल खंड में भी उन्होंने इतनी लंबी लकीर खींची थी कि वहां तक पहुंच पाना किसी भी दल के अध्यक्ष के लिए अब तक संभव नहीं रहा। एक साल पूरा होते ही उन्होंने अपना उत्तराधिकार कानपुर में सरोजिनी नायडु को सौंप दिया जो कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। गांधीजी से पहले काकीनाडा अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद अली ने की थी। जब गांधीजी कांग्रेस अध्यक्ष बने थे तो बेलगांव 36 हजार की आबादी का कस्बा था, आज बड़ा नगर है, जहां विधान सभा तक है। इसका नाम भी अब बेलगावी है। यहां 26 और 27 दिसंबर को देश भर के प्रमुख कांग्रेस नेता जुट रहे हैं। कर्नाटक की राजधानी बंगलूर से 500 किमी दूर बेलगांव गोवा का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। कर्नाटक की धरती पर बेलगांव का अधिवेशन पहला था, जिसके लिए तैयारियां मार्च 1924 से ही आरंभ हो गयी थीं। सितंबर 1924 में 16 उप समितियां बनी। 80 एकड़ भूमि को ठीक करके अधिवेशन हुआ था। प्रतिनिधियों का आगमन 18 दिसंबर, 1924 से शुरु हो गया था। खुद गांधीजी 20 दिसंबर, 1924 को पहुंच गए थे और 1924 के अंत तक रहे। बेलगांव में गांधीजी ने कांग्रेस के आभिजात्य रूप–रंग को बदल कर संविधान को नया रूप दिया। गांव, गरीब और किसानों और मजदूरों के लिए कांग्रेस के दरवाजे खोले। कांग्रेस संगठन को रचनात्मक कामों से जोड़ा। छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ मुहिम को कांग्रेस के राजनीतिक एजेंडे में शामिल किया। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी और भारतीय भाषाओं को इसी अधिवेशन से अधिक तवज्जो मिली। खुद गांधीजी ने यहां भाषण हिंदी में दिया था। सम्मेलन में कई भाषण हिंदी, अंग्रेजी, मराठी और कन्नड़ में हुए। हिंदी में भाषण देते हुए गांधीजी ने कहा था कि ..मैं जब से हिंदुस्तान आया हूं, तब से कहे जा रहा हूं कि कम से कम कांग्रेस में, स्वराज्य के विषय में हिंदी में बात करें। लेकिन हमारी शिक्षा में ऐसा दोष है, ऐसा आलस्य आया है कि जितना प्रयत्न इसके लिए करना चाहिए था, हमने नहीं किया। सौ साल पहले जब बेलगांव की धरती पर 26 और 27 दिसंबर 1924 को विजयनगरम मंडप में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ तो उस दौरान पहली बार ये नगर देश की निगाह में आया था। उस दौरान केवल कांग्रेस ही नहीं देश भर के 27 दलों और संगठनों ने कांग्रेस के पंडाल में ही अपना सालाना जलसा किया था। ये आमंत्रण गांधीजी ने उस दौरान स्वराज के मुद्दे पर आपस में एकता के तहत दिया था। गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कर्नाटक को लंबे समय तक गांधीजी का प्रांत कहा जाता था। इस अधिवेशन के बारे में लोगों को अधिक जानकारी नही है। 26 दिसंबर 1924 को महान संगीतज्ञ विष्णु दिगम्बर पलुसकर ने वंदेमातरम के गायन से अधिवेशन का आरंभ किया था और बालिका गंगूबाई हंगल ने भी पहली बार यहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई थी। बेलगांव कांग्रेस में ही यह तय हुआ कि कौसिलों में स्वराज पार्टी के सदस्य कांग्रेस के सदस्य की हैसियत से उसके विचारों के अनुरूप काम करेंगे। उस दौरान कांग्रेस महासचिव के रूप में शुएब कुरैशी, बरजोरजी फ्रामजी भरूचा और जवाहर लाल नेहरू का चयन करने के साथ रेवा शंकर जावेरी तथा सेठ जमनालाल बजाज को कोषाध्यक्ष चुना गया। कांग्रेस की कार्यसमिति में देशबंधु चित्तरंजन दास, मोतीलाल नेहरू, सरोजिनी नायडु, एनसी केलकर, मौलाना मुहम्मद अली, अबुल कलाम आजाद, सरदार मंगल सिंह, एमएस अणे और श्रीवरराजूलू नायडु जैसे नेता बेलगांव में सदस्य बने थे। उस दौरान बेलगांव में गांधीजी के साथ मंच पर इन नेताओं के साथ लाला लाजपत राय, पंडित मदन मोहन मालवीय, मौलाना हसरत मोहानी, एस सत्यमूर्ति, स्वामी श्रद्धानंद, मौलाना शौकत अली, डा. एनी बेसेंट, टी प्रकाशम और जवाहर लाल नेहरू समेत तमाम दिग्गज मौजूद थे। गांधीजी का भाषण हिंदी में हुआ। पर उनका जो आधिकारिक अध्यक्षीय भाषण कन्नड़, हिंदी, मराठी और अंग्रेजी में छप कर बंटा उससे अलग उन्होंने कई बातें कही। उनका कहना ता कि स्वराज्य मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, तिलकजी के इस लोक को पूरा करने के लिए ही मैं पैदा हुआ

हूं। उन्होंने एकता का संदेश देते हुए पहली बार राजनीतिक एजेंडे में छुआछूत के खिलाफ मुहिम को भी रखा और साफ कहा कि अस्पृश्यता स्वराज की राह की सबसे बड़ी बाधाओं में है। जितना जल्दी हम यह काम करें हमारे हित में है। बेलगांव में ही हिंदुस्तानी सेवादल ने डॉ हाडीकर के नेतृत्व में 1156 स्वयंसेवकों ने ऐतिहासिक काम किया। रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोहपूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला भी यहीं से आरंभ हुआ, जिसका जिम्मा सेवादल को मिला। बेलगांव कांग्रेस में 14 प्रस्ताव पारित हुए। इसका धन्यवाद ज्ञापन पंडित मोतीलाल नेहरू ने दिया था। गांधीजी की आखिरी टिप्पणी जवाहरलाल नेहरू पर उनकी भविष्यवाणी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि जवाहर लाल नेहरू की पूजा जगत करेगा और उन पर पुष्पवर्षा करेगा। इस अधिवेशन पर कुल 2.20 लाख रुपए का खर्च आया था जिसमें से खद्दर पर 30,547 तथा रेलवे के कामों पर हुआ 17,900 रुपए भी शामिल था। एक स्वदेशी प्रदर्शनी भी वहां लगी जिसमें मैसूर राज ने भी भागीदारी की। चिकित्सकों का अच्छा खासा दल भी यहां जुटा। पहली बार आयुर्वेदिक औषधियों को भी इसमें जगह मिली। बेलगांव सम्मेलन के बाद गांधीजी ने देश के कई प्रांतों का लगातार दौरा किया। केरल में वे 10 मार्च 1925 को वायकोम पहुंचे और छुआछूत के खिलाफ लड़ रहे सत्याग्रहियों को समर्थन दिया। साल भर में कांग्रेस की कार्यप्रणाली में काफी बदलाव आया और कांग्रेस की शक्ति बढ़ी। उस दौरान अंग्रेजी राज में लोगों में फौज का भय, कोने–कोने फैली पुलिस का भय, दमनकारी कानूनों का भय, महाजनों का भय, कैद का भय, जमींदार के गुमाश्ते का भय कायम था। लेकिन गांधीजी ने उनको किसी से न डरने की सलाह दी। हालांकि गांधीजी की 1915 में भारत आने के बाद से ही अलग हैसियत रही है। गांधीजी की शहादत के पहले नेहरूजी ने कहा था कि महात्मा गांधी कांग्रेस के स्थायी और सर्वोच्च अध्यक्ष हैं और जब वे नहीं रहेंगे तो उनकी आत्मा कांग्रेस का नीति संचालन करेगी। 28 दिसंबर को 140वें वर्ष में प्रवेश कर रही कांग्रेस के अब तक 85 महाधिवेशन हो चुके हैं। आजादी के ठीक पहले 54वां अधिवेशन 1946 में मेरठ में और आजादी के बाद 55वां अधिवेशन जयपुर में पट्टाभि सीतारमय्या की अध्यक्षता में हुआ, जबकि संविधान बनने के बाद 56वां अधिवेशन नासिक में हुआ था। लेकिन बेलगांव जैसी छाप कोई और छोड़ नहीं सका।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गौरवशाली सौ वर्ष

अजित कुमार जैन

25 दिसम्बर 1925 कुछ युवा देश भक्त महान समाजवादी अक्टूबर क्रांति से प्रेरित होकर तथा क्रांतिकारी जोश से भरकर साम्राज्यवादी उत्पीड़न का सामना करते हुए कानपुर में इकत्रा हुए और उन्होंने राष्ट्रीय आजादी एवं समाजवाद के भविष्य के लिये संघर्ष करने के संकल्प के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। 26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था। 1920–22 में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन में मजदूरों, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्गों की कार्रवाई एवं चेतना को नये स्तर तक जागृत कर दिया था। लेकिन अचानक असहयोग आंदोलन वापिस किये जाने से उनमें निराशा एवं मोहभंग हो गया और वे साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के लिये नये अधिक क्रांतिकारी तथा सुसंगत मंच की खोज करने लगे। भाकपा का जन्म मजदूरों, किसानों, छात्रों के जुझारू एवं वर्गीय उभारों के बीच हुआ जो हड़तालों, संघर्षों, भूस्वामी विरोधी धाराओं के प्रतिनिधि थे। जो कानपुर में 26–28 दिसम्बर 1925 को शामिल हुए और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। यह हल्की धारा विशाल धारा बन गई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म जुझारू साम्राज्यवाद विरोधी देश भक्त और अंतरराष्ट्रीयतावाद, राष्ट्रीय मुक्ति के लिये संघर्ष तथा समाजवाद के लिये वर्ग संघर्ष की धाराओं के मिलन से हुआ। साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंकने और पूर्ण आजादी की मांग 1921 में कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में हजरत मोहानी (जो भाकपा स्थापना स्वागत समिति के अध्यक्ष थे) ने प्रस्ताव पेश किया। 1922 के कांग्रेस के गया अधिवेशन में सिंगारवेलु चेट्टियार (जिन्होंने कानपुर स्थापना सम्मेलन की अध्यक्षता की) ने पूर्ण आजादी की मांग दुहराई और व्यापक समर्थन हासिल किया। कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन 1928 में एटक, भाकपा आादि ने पचास हजार लोगों का प्रदर्शन कर पूर्ण आजादी की मांग दुहराई तब जाकर 1931 करांची कांग्रेस अधिवेशन में इस मांग को मंजूर किया। भारत और विदेशों के भारतीय राष्ट्रवादी एवं क्रांतिकारी कम्युनिस्ट आंदोलन की ओर आकृष्ट होने लगे। मुस्लिम क्रांतिकारियों के खिलाफ जिन्हें मुजाहिरों के नाम प्रसिद्ध है। उन पर चार पेशावर षडयंत्र केस चलाये गये। जिसका लक्ष्य नवजात कम्युनिस्ट आंदोलन को कुचलना था परन्तु ऐसा नहीं हुआ। अंग्रेजों ने जल्द ही दूसरा प्रहार किया। एस.ए.डांगे मुजफ्फर अहमद, नलिनी गुप्ता, शौकत अली, उस्मानी, सिंगारवेलु चेट्टियार, गुलाम हुसैन एवं अन्य के खिलाफ कुख्यात कानपुर षडयंत्र केस में 17 मार्च 1924 को दिये आरोप पत्र में कहा अभियुक्त कम्युनिस्टों का लक्ष्य श्एक हिंसक क्रांति द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवाद को पराजित करना तथा ब्रिटिश साम्राज्य की संप्रभुता से वंचित करना था। मई 1924 को डांगे, मुजफ्फर अहमद, गुप्ता और उस्मानी को चार वर्ष की कैद की सजा दी गई। कम्युनिस्टों ने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और ट्रेड यूनियन आंदोलन में सशक्त कार्रवाइयां करना तथा राजनैतिक क्षेत्र में उनके कार्यकलापों ने राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी पक्ष को सामने ला दिया। जिस पर मार्च 1929 में 31 अग्रणी कम्युनिस्ट एवं ट्रेड यूनियन नेताओं को गिरफ्तार किया जो मेरठ षडयंत्र केस के नाम से प्रसिद्ध है। इनमें एस.ए. डांगे मुजफ्फर अहमद, गंगाधर अधिकारी, पी.सी. जोशी, एस.एस. मिरजकर तथा अन्य शामिल थे। 1930–40 के दशक के दौरान सैकड़ों जुझारू देशभक्त, राष्ट्रीय क्रांतिकारी, मजदूर शामिल हो गये। वर्ग आधार एवं वर्ग दृष्टिकोण से भाकपा ने देश की बहुमत जनता को भागीदार बनाने हेतु 1920 में एटक का गठन किया गया। 1936 में स्वामी सहजानंद सरस्वती और इन्दुलाल याज्ञिक जैसे क्रांतिकारी जनवादी नेताओं के साथ किसान सभा की स्थापना की गई जिसके झंडे तले जमींदारी प्रथा समाप्त करने, कास्तकारों की हितरक्षा, आधी बटाई की जगह दो तिहाई हिस्सा देने, जोतने वालों को जमीन देने जैसी मांगों को लेकर शक्तिशाली सामंत विरोधी किसान कार्रवाईयां हुईं। किसान संघर्ष के दौरान कार्यानंद शर्मा, ए.के. गोपालन, जीवानंदन जैसे सैकड़ों नाम है। बाद में महान लेखक, विचारक राहुल सांस्कृत्यायन भी किसान सभा में शामिल हुए और अनेक बार जेल गये। कैय्यूर शहीदों के अमर नाम, तेभाना, तेलंगाना, पेप्सू संघर्ष के वीरों के नाम अवस्मिरणीय रहेंगे। 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना की गई। भारतीय संस्कृति के महान व्यक्तियों गुरूवर रवीन्द्रनाथ टैगोर, मुंशी प्रेमचंद, महाकवि वल्लाथोल, सज्जाद जहीर, जोश महीलावादी आदि ने लोकप्रिय, प्रगतिशील, साम्राज्यवादी विरोधी एवं फासिस्ट विरोधी लोकतांत्रिक संस्कृति का अग्रदूत लेखक संघ बन गया। 1943 में भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) की स्थापना बहुलवादी संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण मोड़ था। क्रांतिकारी गीत, संगीत, नाटक, नुक्कड़ नाटक के लोक रूपों के पुर्न जीवन से श्जनता को संस्कृति के निकट लाने एवं संस्कृति को जनता के निकट लाने में मदद मिली। कम्युनिस्टों द्वारा सामंत विरोधी साम्राज्यवाद विरोधी लहर का प्रभाव आम जनता के साथ फौज पर भी पड़ा परिणाम स्वरूप भारतीय वायुसेना ने हड़ताल कर दी और 1946 में भारतीय नौसेना के सैनिकों एवं भारतीय अधिकारियों ने विद्रोह कर दिया जो महान विद्रोह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के बाद अभूतपूर्व था। विद्रोही नौ सैनिकों ने पोतों पर से यूनियन जैक को उखाड़ फेंका और लाल, हरा एवं सफेद झंडा लहराया और देशवासियों के समर्थन की अपील की परन्तु कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा समर्थन न करने से व्यथित होकर विद्रोही नौसेनिकों ने सफेद और हरा झंडा भी समुद्र में फेंक दिया और सिर्फ लाल झंडा लेकर निकले। बंबई में दो लाख से अधिक मजदूरों ने नाविकों के समर्थन में हड़ताल कर प्रदर्शन किया जिसमें गिरनी कामगार यूनियन, एटक तथा कम्युनिस्टों की अग्रणी भूमिका थी। ऐसी सामन्त विरोधी, साम्राज्यवाद विरोधी प्रभावी जनसंघर्षों का परिणाम था कि अंग्रेज राज्य सम्भालने में असमर्थ थे तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की राजनैतिक स्थितियां भी समीचीन थी और 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी मिली।

(लेखक वरिष्ठ मार्क्सवादी चिंतक और एटक के अग्रणी नेता हैं।)

ईयर एंडर 2024: साबरमती से महाराज तक, विवादों में रही ये फिल्में

विदाई की दहलीज पर खड़े साल 2024 का अंतिम महीना चल रहा है। इस साल कई फिल्में रिलीज हुईं और दर्शकों का मनोरंजन करने में सफल रहीं। वहीं, कई फिल्में विवादों के घिरी रहीं। किसी फिल्म को नोटिस भेजा गया तो किसी फिल्म पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा। विवादों के घेरे में रही फिल्मों की लिस्ट में गुजरात के गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मैसी स्टारर द साबरमती रिपोर्ट समेत अन्य फिल्मों का नाम शामिल है। विवादों के घेरे में रही फिल्मों की सूची में ना केवल द साबरमती रिपोर्ट का नाम है बल्कि इसमें महाराज, हम दो हमारे बारह, कल्कि 2898 एडी का भी शामिल है। द साबरमती रिपोर्ट निर्माता एकता कपूर और निर्देशक धीरज सरना की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। गुजरात के गोधरा कांड पर बनी फिल्म को लेकर जमकर हो–हल्ला मचा और फिल्म विवादों में रही। साबरमती एक्सप्रेस के एस–6 कोच को साल 2002 में आग के हवाले कर दिया गया था। इस कोच में कार सेवक सवार थे, जो अयोध्या से आ रहे थे। इसमें 59 लोगों की जान चली गई थी। ऐसे में हिंदू–मुस्लिम मुद्दों को लेकर विवाद हुआ था। विक्रांत मैसी, राशि खन्ना, रिद्धी डोगरा की फिल्म को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में टैक्स फ्री कर दिया गया था। इसी साल रिलीज हुई विवादित फिल्मों की सूची में आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म महाराज का भी नाम शामिल है। फिल्म में हिंदू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा था। सौरभ शाह के उपन्यास पर आधारित फिल्म का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है। गुजरात हाई कोर्ट ने एक हिंदू समूह की याचिका के आधार पर फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी थी, जिसमें दावा किया गया था कि फिल्म हिंदू संप्रदाय के अनुयायियों के खिलाफ हिंसा भड़का सकती है। जुनैद खान के साथ फिल्म में जयदीप अहलावत, शालिनी पांडे और शरवरी वाघ अहम भूमिका में हैं। महाराज 21 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। कमल चंद्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'हम दो हमारे बारह' के निर्माता रवि एस गुप्ता, बीरेंद्र भगत, संजय नागपाल और शेओ बालक सिंह हैं। फिल्म का सह–निर्माता त्रिलोकी प्रसाद हैं। बढ़ती जनसंख्या की समस्या पर बनी फिल्म में अन्नू कपूर के साथ अश्विनी कालसेकर , राहुल बग्गा , परितोष तिवारी, पार्थ समथान, मनोज जोशी , नवोदित अदिति भटपहरी समेत अन्य सितारे अहम रोल में हैं। फिल्म की रिलीज पर शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने 13 जून को रोक लगा दी थी। बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा फिल्म की रिलीज की अनुमति देने के बाद यह 21 जून 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म के द्वारा मुस्लिम समाज पर निशाना साधने का आरोप लगा था। अमिताभ बच्चन, प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर कल्कि 2898 एडी भी विवाद के घेरे में रही। फिल्म को लेकर उत्तर प्रदेश के संभल के कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने फिल्म निर्माता, निर्देशक और कलाकारों को नोटिस भेजा था, जिसमें उन्होंने धार्मिक तथ्यों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था।

> “
> विवादों के घेरे में रही फिल्मों की सूची में ना केवल द साबरमती रिपोर्ट का नाम है बल्कि इसमें महाराज, हम दो हमारे बारह, कल्कि २८९८ एडी का भी शामिल है। द साबरमती रिपोर्ट निर्माता एकता कपूर और निर्देशक धीरज सरना की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट १५ नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। गुजरात के गोधरा कांड पर बनी फिल्म को लेकर जमकर हो-हल्ला मचा और फिल्म विवादों में रही।

विज्ञापन का पोस्टर देख निर्माता को रॉकस्टार' के लिए पसंद आ गई थीं नरगिस

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री नरगिस फाखरी के सुपरहिट फिल्म 'रॉकस्टार' को भला कौन भूल सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म रॉकस्टार कैसे मिली थी। नरगिस फिल्म निर्माता फराह खान के साथ बातचीत कर रही थीं। फराह ने अभिनेत्री को अपने यूट्यूब चौनल के लिए खाना बनाने के लिए अपने घर आमंत्रित किया था। व्लॉग में नरगिस ने झटपट एक सेहतमंद सब्जी बनाई। व्लॉग में फराह ने नरगिस से पूछा कि जब वह इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित रॉकस्टार में थीं, तब वह किस देश से थीं? इस पर नरगिस ने कहा, मैं उस समय डेनमार्क, कोपेनहेगन में रह रही थी। अभिनेत्री ने बताया कि ग्रीस में उनके द्वारा शूट किए गए एक विज्ञापन की बदौलत उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म रॉकस्टार मिली थी। फराह ने फिर पूछा, रॉकस्टार निर्माताओं ने आपको कैसे खोजा, इस पर नरगिस ने जवाब देते हुए कहा, जब मैं ग्रीस में रहती थी। मैं एक मॉडल थी और मुझे एक ज्वेलरी विज्ञापन के लिए एक काम मिला था। एक मॉडल के रूप में हम नहीं जानते थे कि विज्ञापन कहां जा रहे हैं। वे बस इतना कहते थे कि आपको काम पर रखा गया है, वे हमें पैसे देते थे और हम काम करते थे। किस्मत को श्रेय देते हुए उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वे (निर्माता) पोस्टर्स की वजह से मुझे ढूंढ रहे थे, इसलिए उन्होंने शूटिंग करने वाली भारतीय प्रोडक्शन कंपनी से मेरा ईमेल पाया। यही किस्मत है। म्यूजिकल–रोमांटिक ड्रामा रॉकस्टार में नरगिस फाखरी के साथ रणबीर कपूर, अदिति राव हैदरी, पीयूष मिश्रा, शेरनाज पटेल, कुमुद मिश्रा, संजना सांघी, आकाश दहिया और शम्मी कपूर अहम रोल में हैं।

सेलेब्स पर 'क्रिसमस' का खुमार, किसी ने विदेश तो किसी ने जंगल में मनाया त्योहार

क्रिसमस का जश्न जारी है। दुनिया भर में लोग त्योहार को अपने अंदाज में मना रहे हैं। फिल्म जगत के सितारे भी इस मामले में कम नहीं हैं। शिल्पा शेट्टी ने पंजाबी अंदाज में परिवार के साथ क्रिसमस मनाया तो निर्देशक रोहित शेट्टी परिवार के साथ पेरिस पहुंचे। शरवरी वाघ ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से तस्वीरें शेयर कर प्रशंसकों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी। क्रिसमस के जश्न की तस्वीरें अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, नेहा धूपिया, रोहित शेट्टी, शरवरी वाघ, मानुषी छिल्लर से लेकर शिल्पा शेट्टी और कृति सेनन तक ने सोशल मीडिया पर शेयर कर प्रशंसकों को शुभकमनाएं देते हुए मेरी क्रिसमस कहा। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने पति राज कुंद्रा और बच्चों के साथ क्रिसमस को पंजाबी अंदाज में मनाया। उन्होंने ठंड के मौसम में भांगड़ा करते हुए खुद का एक मजेदार पल साझा किया, परिवार के साथ सांता क्लॉज भी क्रिसमस का आनंद लेते दिखाई दिए। मजेदार वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, क्रिसमस हमेशा परंपराओं का एक सुंदर मिश्रण रहा है– हंसी, प्यार और एकजुटता। इस साल भी कुछ अलग नहीं रहा। 13 डिग्री सेल्सियस में भांगड़ा से लेकर परिवार के साथ सांता से मिलने तक। आप हमें पंजाब से निकाल सकते हैं, लेकिन आप हमसे पंजाबी को कभी अलग नहीं कर सकते। मेरी क्रिसमस।'सिंघम' के निर्देशक रोहित शेट्टी अपने बेटे के साथ क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए पेरिस और लंदन पहुंचे, जहां का एक वीडियो शेयर कर उन्होंने लिखा, जब आपका यंग बेटा आपको यात्रा पर ले जाता है। वीडियो में शेट्टी बेटे के साथ लंदन और पेरिस की सड़कों पर टहलते और जश्न मनाते नजर आए। क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए बहन के साथ सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पहुंची अभिनेत्री शरवरी वाघ ने खास अंदाज में जश्न मनाया। शरवरी वाघ ने प्रशंसकों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया और लिखा, ष्वाघ की ओर से मेरी क्रिसमस। नेशनल पार्क में अभिनेत्री ने जंगल के कई खूबसूरत पलों को कैमरे में कैद किया। क्रिसमस मनाने के लिए इस्तांबुल पहुंची अभिनेत्री कृति सेनन ने टीम के साथ एक मस्ती भरा वीडियो शेयर किया।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर के टीजर की रिलीज डेट आगे बढ़ी

सलमान खान आज अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए उनकी आने वाली फिल्म सिकंदर के निर्माताओं ने शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे टीजर रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, गुरुवार रात को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर आने के बाद निर्माताओं ने टीजर रिलीज को टालने का फैसला किया। नाडियाडवाला ग्रैंडसन द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की गई पोस्ट के अनुसार, सिकंदर का टीजर अब एक दिन बाद यानी 28 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। सिकंदर के निर्माताओं ने प्रशंसकों को सूचित करते हुए लिखा श्हमारे आदरणीय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के मद्देनजर, हमें यह घोषणा करते हुए खेद है कि सिकंदर के टीजर की रिलीज को 28 दिसंबर सुबह 11:07 बजे तक के लिए टाल दिया गया है। शोक की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं देश के साथ हैं। समझने के लिए धन्यवाद। पोस्ट के अनुसार, सिकंदर का टीज़र अब शनिवार को सुबह 11:07 बजे रिलीज़ किया जाएगा। जानने वालों के लिए, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार शाम 26 दिसंबर, 2024 को दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। उन्होंने 92 साल की उम्र में रात 9रू51 बजे अंतिम सांस ली। गुरुवार को सलमान खान ने सोशल मीडिया पर फिल्म से अपना पहला लुक शेयर किया, जिससे प्रशंसक टीज़र के लिए उत्साहित हो गए। पोस्टर में सलमान खान एक शक्तिशाली अवतार में भाला पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जो पोस्टर में एक शक्तिशाली और तीव्र वाइब जोड़ता है। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध एआर मुरुगादॉस ने किया है और साजिद नाडियाडवाला ने प्रस्तुत किया है।

फिल्म के बारे में और जानकारी

कथित तौर पर, सलमान खान सिकंदर में दोहरी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उनके अलावा, फिल्म में सत्यराज, प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल और शरमन जोशी भी होंगे। फिल्म की मुख्य महिला कलाकार रश्मिका मंदाना हैं।

> “
> सिकंदर का टीजर अब एक दिन बाद यानी २८ दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। सिकंदर के निर्माताओं ने प्रशंसकों को सूचित करते हुए लिखा श्हमारे आदरणीय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के मद्देनजर, हमें यह घोषणा करते हुए खेद है कि सिकंदर के टीजर की रिलीज को २८ दिसंबर सुबह ११:०७ बजे तक के लिए टाल दिया गया है।

वरुण धवन की फिल्म ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया, देखें ताजा आंकड़े

वरुण धवन की नई रिलीज बेबी जॉन अपनी रिलीज के दूसरे दिन भी अल्लू अर्जुन की अखिल भारतीय फिल्म पुष्पा 2रू द रूल से संघर्ष कर रही है। बेबी जॉन 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे पुष्पा 2 से कड़ी टक्कर मिल रही है, जिसका प्रीमियर इसकी रिलीज से 20 दिन पहले हुआ था। सैकनिल्क के अनुसार, वरुण की फिल्म ने सिर्फ 4.5 करोड़ रुपये कमाए, जबकि अल्लू अर्जुन की हालिया रिलीज ने सिनेमाघरों में रिलीज के 22वें दिन 9.6 रुपये कमाए। दो दिनों के बाद, बेबी जॉन के दो कलेक्शन फिलहाल 15.75 करोड़ रुपये हैं। फिल्म ने बुधवार को अच्छी कमाई की और पहले दिन 11.25 करोड़ रुपये कमाए। बेबी जॉन का भाग्य अब पूरी तरह से वीकेंड के दिनों पर निर्भर करता है। अगर फिल्म अपने पहले वीकेंड में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाती है, तो आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन अच्छा रह सकता है, क्योंकि सिनेमाघरों में कोई और बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। दूसरी ओर, पैन–इंडिया फिल्म ने अब तक भारत में 1119.2 रुपये की कमाई की है, जिसमें इसका बड़ा योगदान इसके ओजी तेलुगु वर्जन और डब हिंदी वर्जन का है।

बेबी जॉन के बारे में और जानकारी

फिल्म में वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश भी अहम भूमिकाओं में हैं। बेबी जॉन का निर्देशन कलीज ने किया है। जब से यह फिल्म चर्चा में आई है, तब से यह बताया जा रहा है कि बेबी जॉन साउथ के सुपरस्टार थलपति विजय अभिनीत थेरी का हिंदी रीमेक है, जिसे एटली कुमार ने निर्देशित किया था। हालांकि, एटली बेबी जॉन के निर्माताओं में से एक हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में वरुण धवन ने खुद माना कि यह थेरी से प्रेरित है, लेकिन इसमें कई बड़े बदलाव किए गए हैं।

वाराणसी घूमने के दौरान इन चीजों को जरूर करें एक्सप्लोर, वरना अधूरी रह जाएगी ट्रिप

उत्तर प्रदेश राज्य में गंगा नदी के किनारे स्थित वाराणसी सबसे पुराना शहर है। वाराणसी ऐतिहासिक होने के साथ पौराणिक भी है। इसे भगवान शिव की प्रिय नगरी भी कहा जाता है। इसलिए हिंदुओं के लिए भी वाराणसी बेहद खास और पवित्र स्थल है। हिंदू धर्म में लोग मुक्ति और शुद्धिकरण के लिए वाराणसी का रुख करते हैं। कहा जाता है कि वाराणसी यानी की काशी पहुंचने वाला हर व्यक्ति भक्तिमय हो जाता है। वाराणसी शहर अपने विशाल और पवित्र मंदिरों के अलावा घाटों के लिए भी काफी ज्यादा फेमस है। ऐसे में अगर आप भी वाराणसी घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि वाराणसी घूमने के दौरान किन बेहतरीन चीजों का भी लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आप भी इन चीजों को एक्सप्लोर करना बिलकुल न भूलें।

नाव की सवारी

वाराणसी में पर्यटक जब घूमने का धार्मिक दृष्टि से पूजा–अर्चना करने पहुंचते हैं, तो वह गंगा नदी में नाव की सवारी जरूर करते हैं। यहां पर नाव की सवारी कर आप बेहद मनमोहक और खूबसूरत दृश्य देख सकते हैं। अगर आप गंगा नदी और घाटों की खूबसूरती को देखना चाहते हैं, तो आपको सुबह के समय नाव की सवारी करना चाहिए। क्योंकि सुबह के समय गंगा नदी एकदम शांत बहती है। वहीं सुबह के समय मौसम का नजारा भी बहुत अच्छा रहता है। वहीं अगर आप अकेले नाव की सवारी करते हैं, तो इसका मजा दोगुना हो जाता है।

अस्सी घाट की आरती न करें मिस

वाराणसी की गंगा आरती सबसे ज्यादा फेमस और पवित्र मानी जाती है। ऐसे में अगर आप भी वाराणसी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको गंगा आरती मिस नहीं करनी चाहिए। वाराणसी के कई घाटों पर गंगा आरती का आयोजन होता है। लेकिन अगर आप पौराणिक गंगा आरती से रूबरू होना चाहते हैं, तो आपको अस्सी घाट की गंगा आरती देखनी चाहिए। अस्सी घाट पर भव्य और दिव्य तरीके से गंगा आरती होती है। जिसमें लाखों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं।

गंगा घाट जरूर घूमें

वाराणसी में सिर्फ एक ही घाट नहीं बल्कि कई खूबसूरत घाट हैं। इन घाटों की आप खूबसूरती को देख सकते हैं। वाराणसी के घाटों पर हर समय सैलानी घूमते रहते हैं। यहां पर आप अस्सी घाट, मणिकर्णिका घाट, मुंशी घाट, माता आनंदमई घाट, राज घाट, दशाश्वमेध घाट और सिंधिया घाट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इन घाटों पर भी आरती व पूजा–पाठ के कार्यक्रम होते रहते हैं। वहीं किसी विशेष मौके पर वाराणसी के इन घाटों पर भक्तों का जमावड़ा लगता है।

स्ट्रीट फूड और शॉपिंग

अगर आप वाराणसी घूमने जाएं और स्ट्रीट फूड्स का लुत्फ न उठाएं, तो आपकी ट्रिप बेकार हो सकती है। आप वाराणसी की गलियों में लगने वाले स्टॉल्स पर आलू–टिक्की, कचोरी, पानी पुरी, जलेबी, दम आलू, बाटी और बनारसी केकंद जैसे व्यंजनों को चखना न भूलें। इसके अलावा शॉपिंग करना न भूलें। वाराणसी में आप बजरडीह, दालमंडी मार्केट, ठठेरी बाजार, विश्वनाथ गली, गोदौलिया मार्केट और गोलघर मार्केट से काफी सस्ते दाम पर चीजें खरीद सकते हैं।

बेसन, सूजी लंबे समय तक रहेंगे फ्रेश,बस ट्राई करे लें ये तरीके

अक्सर लोग घर में बेसन, सूजी और मैदा को स्टोर करते हैं ताकि मूड होने पर गर्मागर्मा हलवा और पकौड़े का मजा ले सकें। लेकिन इसका मजा लेने के लिए जरूरी है कि आप सूजी, मैदा और बेसन जैसी चीजों को ठीक तरीके से स्टोर करें ताकि उसमें कीड़े ना पड़े और आपको उसको मजबूरी में फेंकना ना पड़े। जब मौसम बदल रहा होता है तब भी चीजों में कड़ी पड़ने का डर होता है। ऐसे में आप इन्हें सावधानी के साथ स्टोर करें, जिससे ये लंबे समय तक फ्रेश रह पाएगा....

फ्रिज में रखें

बेसन, सूजी या मैदे को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में रखें। किसी एयर टाइट कंटेनर में इन चीजों को भरकर रख दें। इससे कभी कीड़े नहीं लगेंगे। फ्रिज में लंबे समय तक इन्हें स्टोर किया जा सकता है।

नीम की पत्ते रखें

सूजी, बेसन और मैदा को कीड़े से बचाने के लिए उसमें नीम की पत्तियां डाल कर रखें। नीम की पत्तियों को डालने से पहले उन्हें सुखा लें, उसके बाद ही किसी एयर टाइट कंटेनर में इसे डालकर रखें।

हल्का सा भून लें

बेसन और सूजी को कीड़े लगने से बचाने के लिए स्टोर करने से पहले थोड़ा सा रोस्ट कर लें। लेकिन ध्यान रहे मैदे को भूनना नहीं है। इस तरह से बेसन और सूजी लंबे समय तक चलेगी।

तेजपत्ता रखें

तेजपत्ता की खुशबू से कीड़े नहीं लगते हैं। आप बेसन, सूजी और मैदा में भी तेजपत्ता डालकर रख सकते हैं, जिस डब्बे में आप स्टोर कर रहे हैं, उसमें 3–4 तेजपत्ता डाल दें, इससे वो लंबे समय तक फ्रेश रहेंगे।

बेबी माउथिंग की आदत सामान्य या असामान्य, जानिए बच्चे के विकास के लिए कितना जरूरी

छोटे बच्चों को हमेशा आसपास मौजूद चीज को सीधे मुंह में डालने की आदत होती है। बच्चों की इस आदत से पेरेंट्स परेशान रहते हैं। तो वहीं कुछ माता–पिता यह समझने का प्रयास करते हैं, कि बच्चों को यह आदत सही होती है, या खराब। बच्चों की इस आदत को माउथिंग कहा जाता है। हांलाकि बच्चों द्वारा वस्तुओं को मुंह में डालने की यह आदत स्वाभाविक होती है। बता दें कि आमतौर पर शुरूआत के कुछ महीनों में बच्चों को यह आदत होती है। जो उनके विकास का एक हिस्सा माना जाता है। ऐसे में अगर आपके बच्चे को भी यह आदत है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।य़ आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बच्चे की यह आदत सामान्य होती है या असामान्य है।

माउथिंग की आदत सामान्य या असामान्य

आपको बता दें कि बच्चा माउथिंग की आदत के जरिए घनत्व, बनावट, आकार और स्वाद जैसे संवेदी गुणों के बारे में सीखते हैं। किसी भी अन्य इंद्रियों की तुलना में नवजात शिशु अपने मुंह से ज्यादा जानकारी एकत्र करने का प्रयास करते हैं। बच्चों की माउथिंग न सिर्फ उनके शारीरिक बल्की मानसिक विकास का भी संकेत हो सकता है। ऐसे में जब बच्चा किसी भी वस्तु को अपने मुंह में डालता है, तो वह उसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास करता है। हांलाकि बच्चों द्वारा किसी भी वस्तु को मुंह में डालने की आदत को लेकर पेरेंट्स का सतर्क होना बेहद जरूरी होता है। इसलिए पेरेंट्स को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि बच्चा जो भी चीज मुंह में डाल रहे हैं, वह उनके लिए सुरक्षित है या नहीं। क्योंकि बच्चों द्वारा किसी चीज को मुंह में डालने से उनका दम घुट सकता है, या फिर वह चीज बच्चे के गले में अटकने का खतरा रहता है। ऐसे में पेरेंट्स द्वारा यह सुनिश्चित करना उन्हें इन तरीकों के खतरे से बचाता है।

जानिए माउथिंग के फायदे

शिशुओं द्वारा माउथिंग करना संवेदी उत्तेजना में सहायता करता है। इसके जरिए बच्चा उसके आकार, बनावट व स्वाद के बारे में जानकारी हासिल करता है। यह आदत फ्यूचर में खाने की अच्छी आदतों में सहायता करता है।

माउथिंग द्वारा बच्चों के मुंह की एक्सरसाइज भी हो जाती है। इस प्रक्रिया से बच्चे के गाल व जबड़े मजबूत होते हैं और बोलने के विकास में बढ़ावा मिलता है।

इसके अलावा माउथिंग की आदत बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक होता है। क्योंकि बच्चे के आसपास व उनके हाथों के जरिए कीटाणु मुंह में प्रवेक कर जाते हैं।

माउथिंग की आदत बच्चो को सेल्फ रिलीफ में मदद करती है। वस्तुओं या उंगली को चूसने से उन्हें आराम मिल सकता है और भावनाओं को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

बच्चों के दांत निकलने के दौरान माउथिंग की आदत उनको दर्द से राहत दे सकती है। जब बच्चा किसी सुरक्षित वस्तु को अपने मुंह से दबाता है, तो इस दबाव से उभरते दांतों की परेशानी को कम करने में मदद कर सकती है।

गुलाबी गालों के लिए इन चार चीजों से बनाकर तैयार करें नेचुरल ब्लश, मिलेगा नेचुरल ग्लो

खूबसूरत दिखने की चाहत हर किसी को होती है। ऐसे में इस चाहत के चलते लोग अपने फेस पर न जाने कितने केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार इसका रिजल्ट पॉजिटिव नहीं मिल पाता है। वहीं केमिकल वाले प्रोडक्ट्स के चलते स्किन एलर्जी भी हो सकती है। ऐसे में हर रोज अच्छा दिखने की चाहत में रोजाना मेकअप करने से स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में अगर आपको भी बिना मेकअप के गुलाबी गाल चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसा नुस्खा बताने जा रहे हैं। जिनके इस्तेमाल से आप अपने गालों को नेचुरल पिंक ब्लश वाला लुक दे सकती हैं। इसके साथ ही इन चीजों के इस्तेमाल से आपकी स्किन को किसी भी तरह का नुकसान भी नहीं पहुंचेगा।

चुकंदर का ब्लश

चुकंदर हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। साथ ही इसको फेस पर लगाने से रंगत निखरती है। पुराने समय में जब लोगों के पास मेकअप का सामान नहीं होता था। तो लोग अपने गालों को गुलाबी करने के लिए घरेलू चीजों का इस्तेमाल करते थे। ऐसे में आप भी चुकंदर का ब्लश बनाकर अपने गालों को नेचुरली पिंक बना सकते हैं।

इसके लिए आपको उबले हुए चुकंदर का गाढ़ा पल्प चाहिए। इस पल्प में ग्लिसरीन की कुछ बूंदे मिला लें। इस आसान तरीके से आपका ब्लश बनकर तैयार हो जाएगा। साथ ही यह एकदम नेचुरल होगा, तो आपको किसी तरह की एलर्जी की भी समस्या नहीं होगी। आप इस ब्लश को एक छोटे कंटेनर में भरकर स्टोर कर सकती हैं।

गुलाब के फूल का ब्लश

क्या आप जानती हैं कि आप गुलाब की पंखुड़ियों के इस्तेमाल से भी नेचुरल ब्लश बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप गुलाब के ताजे फूल की पंखुड़ियों का पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट में जरूरत के मुताबिक आरारोट का पेस्ट मिक्स कर लें। अब इसे एक कंटेनर में भरकर स्टोर कर लें। इस तरह से आपका गुलाब का ब्लश बनकर तैयार हो जाएगा। ऐसे में आपको जब भी चाहिए तो इस ब्लश के इस्तेमाल से अपने गालों को नेचुरली पिंक कर सकती हैं।

गाजर का ब्लश

अगर आपको अपने गालों पर हल्का पीच कलर का ब्लश चाहिए। तो इसके लिए आपको नारंगी गाजर की जरूरत होगी। नारंगी गाजर को कद्दूकस में कसकर सुखा लें। फिर इसमें अरारोट मिला लें। इस तरह से आपका पीच कलर का ब्लश बनकर तैयार हो जाएगा। जो आपके गालों को नेचुरल दिखाने में मदद करेगा।

गुड़हल के फूल का ब्लश

चुकंदर, गुलाब और गाजर की तरह आप गुड़हल के फूल का भी ब्लश आसानी से बनाकर तैयार कर सकती हैं। गुड़हल के फूल का ब्लश बनाने के लिए आपको गुड़हल के फूल और आरारोट पाउडर को एक साथ पीसना होगा। आप चाहें तो अपनी पसंद के हिसाब से इसमें एसेंशियल ऑयल भी मिला सकती हैं। गुड़हल के फूल के बने ब्लश को आप किसी छोटे कंटेनर में स्टोर कर सकती हैं। इसके साथ ही आप लंबे समय तक इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

सर्दियों में इम्यूनिटी नहीं होगी कमजोर, जरूर खाएं ये 5 मौसमी फल

सर्दी का मौसम शुरु हो चुका है ऐसे में ठंड के कारण इस दौरान जुकाम, वायरल फ्लू जैसे इंफेक्शन काफी बढ़ जाते हैं। इस मौसम में इम्यूनिटी भी काफी कमजोर पड़ जाती है। ऐसे में बदलते मौसम में अपनी इम्यूनिटी मजबूत बनाने और वायरल समस्याओं से बचने के लिए आप डाइट में कुछ फल शामिल कर सकते हैं। तो चलिए आज आपको कुछ ऐसे फल बताते हैं जिन्हें सर्दियों में खाने से आप किसी भी तरह के वायरल इंफेक्शन से बचे रहेंगे। आइए जानते हैं....

संतरा

यह विटामिन–सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह मौसमी संक्रमण से शरीर का बचाव करने में मदद करता है। नियमित रुप से सर्दियों में संतरा खाने से शरीर मजबूत बनता है। इस मौसम में आप इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं इसके अलावा संतरे का जूस बनाकर भी आप पी सकते हैं।

आलूबुखारा

आलूबुखारा जिसे प्लम भी कहते हैं, यह एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले गुण कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं। सर्दियों में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत बनती है।

अमरुद

यह विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर माना जाता है। यह शरीर को इंफेक्शन से बचाता है और कोशिकाओं को किसी भी तरह के होने वाले नुकसान से बचाने में भी अमरुद बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें फाइबर भी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है जो हार्ट और डायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होता है।

मौसंबी

यह एक खट्टा फल होता है जो विटामिन–सी से भरपूर माना जाता है। खाने में मौसंबी बेहद स्वादिष्ट होती है। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं। इसमें फाइबर पाया जाता है जो पेट संबंधी समस्याओं से शरीर का बचाव करता है।

नाश्पाती

सर्दियों में कुछ लोग नाश्पाती भी खाते हैं। यह विटामिन–सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर मानी जाती है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं जो कई तरह की समस्याओं से बचाते हैं। इस मौसम में यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो नाश्पाती का सेवन कर सकते हैं।

संक्षिप्त

भारत के आर्थिक सुधारों में मनमोहन सिंह ने अमिट छाप छोड़ी है : आरबीआई गवर्नर

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। पूर्व प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री सिंह 1982 से 1985 के बीच आरबीआई के गवर्नर भी रहे। मल्होत्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से बेहद दुखी हूं। वह एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर थे। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उनके योगदानों ने अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई इस शोकाकुल घड़ी में देश के साथ है।'' आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया और उन्हें एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री करार दिया जिनके पास भारत की संभावनाओं के बारे में दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ–साथ राजनीतिक व्यवहार्यता की अच्छी समझ भी थी। राजन ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत में कहा, ''वे एक बेहतरीन अर्थशास्त्री थे, जिनके पास भारत के भविष्य के बारे में एक शानदार दृष्टिकोण था। साथ ही उन्हें इस बात की भी अच्छी समझ थी कि राजनीतिक रूप से क्या संभव है... प्रधानमंत्री नरसिंह राव के सहयोग से उन्होंने जो उदारीकरण और सुधार किए उससे उन्होंने आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव रखी।''

रुपया शुरुआती कारोबार में आठ पैसे की गिरावट के साथ सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, महीने तथा साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग से डॉलर को मजबूती मिली जिससे स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय

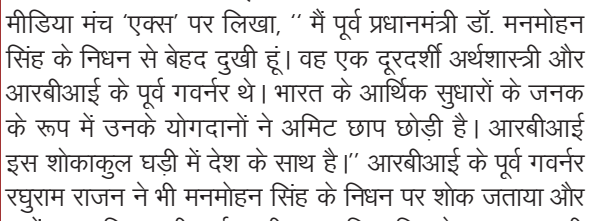

बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 85.35 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.93 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.31 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,376.67 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार; शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स चढ़ा, निफ्टी भी उछला

मुंबई, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को एक बार फिर हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 311.48 अंक चढ़कर 78,783.96 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 98.1 अंक चढ़कर 23,848.30 पर पहुंचा। इसके अलावा रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.34 पर पहुंचा।

ऐसे रही बाजार की चाल

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 311.48 अंक चढ़कर 78,783.96 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 98.1 अंक की बढ़त के साथ 23,848.30 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,376.67 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

किसे फायदा और किसे नुकसान?

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर नुकसान में रहे।

विदेशी बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की फायदे में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार गुरुवार को सपटा रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 73.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पर

अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 85.35 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

भारत ने वेस्टइंडीज को 3-0 से किया परास्त, स्टार ऑलराउंडर दीप्ति चमकीं

स्पिनर दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर छह विकेट चटकाए और फिर बल्ले से भी योगदान दिया जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3–0 से क्लीन स्वीप किया।

सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर छह विकेट चटकाए और फिर बल्ले से भी योगदान दिया जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3–0 से क्लीन स्वीप किया। दीप्ति के शानदार प्रदर्शन और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर (29 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को 162 रन पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद 28.2 ओवर में जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत ने 73 रन के स्कोर पर चार विकेट खो दिये थे लेकिन दीप्ति (48 गेंद में नाबाद 39 रन) के अनुभव के बूते टीम 21 ओवर पहले लक्ष्य तक पहुंच गई। विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 11 गेंद में 23 रन बनाकर नाबाद रहीं। पिछले मैच की शतकवीर हरलीन देओल (01) के आउट होने के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 23 रन था लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एफी फ्लेचर की गेंद पर आउट होने से पहले 22 गेंद में 32 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान हरमनप्रीत ने सात चौके जमाये और एक बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गईं। फॉर्म में चल रही उप कप्तान स्मृति मंधाना (4) जल्दी आउट हो गईं जिन्हें अश्मिनी मुनिसार ने आलिया एलेने की गेंद पर एक हाथ से कैच लेकर आउट किया। वहीं देओल भी डियांड्रा डॉटिन की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर शेमेन कैंपबेल को कैच देकर पवेलियन पहुंच गईं। मध्यक्रम बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 45 गेंद में 29 रन की पारी खेली। इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका ने कहर बरपाते प्रारंभिक स्पैल से वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी जिसके बाद दीप्ति ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेहमान टीम को 162 रन पर आउट कर दिया। रेनूका ठाकुर ने सटीक लाइन और लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करके शीर्षक्रम की चूलें हिला दी तो दीप्ति ने फिरकी का जाल बुनकर मध्यकम और निचले क्रम को रवाना किया। वनडे में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने तीसरी बार किया है जबकि दूसरी बार छह विकेट चटकाये हैं। वेस्टइंडीज के लिये शिनेले हेनरी (61) और शेमाइन कैंपबेल (46) ने 97 रन की साझेदारी की। अगर यह साझेदारी नहीं होती तो वे सौ रन भी नहीं बना पाते। इनके अलावा आलिया एलेनी (21) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी का वेस्टइंडीज का फैसला गलत साबित हुआ और ठाकुर ने पहली ही गेंद पर सलामी बल्लेबाज कियान को आउट कर दिया जबकि हेली मैथ्यूज भी खाता खोले बिना उनका दूसरा शिकार हुई। इसके बाद ठाकुर ने डिएंड्रा डोटिन (पांच) का विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को करारा झटका दिया। इसके बाद से दीप्ति ने मोर्चा संभाला। वेस्टइंडीज की पारी 39वें ओवर में समाप्त हो गई।

इसकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं थी, कोहली ऐसी विरासत नहीं चाहेंगे : गावस्कर

मैदान पर अपने जोशीले व्यक्तित्व के लिए जाने जाने वाले कोहली अतीत में भी कई विवादों में पड़ चुके हैं। उन्हें 2019 में दक्षिण अफ्रीका के ब्यूरन हेंड्रिक्स के साथ कंधा टकराने की घटना के लिए आईसीसी द्वारा दंडित किया गया था। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के पदार्पण करने वाले युवा सैम कोंस्टास के साथ विराट कोहली की टक्कर की आलोचना करते हुए कहा कि इसकी 'कोई जरूरत नहीं' थी और भारतीय स्टार नहीं चाहेगा कि इस तरह की घटना से उनकी विरासत धूमिल हो। कोहली पर यहां चौथे टेस्ट के शुरुआती दिन ऑस्ट्रेलियाई पारी के 10वें ओवर में कोंस्टास से कंधा टकराने के कारण मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए एक डिमेरिट अंक भी उनके खाते में जोड़ा गया। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''मुझे नहीं पता कि इसका क्या कारण था। लेकिन वास्तव में इसकी कोई जरूरत नहीं थी, हमें क्रिकेट के किसी भी स्तर पर इसकी जरूरत नहीं है, निश्चित रूप से उच्चतम स्तर पर नहीं। आप शारीरिक रूप से प्रभावित हुए बिना भी बहुत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल सकते हैं।'' गावस्कर ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी कोहली को खेल में अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक के रूप में याद रखना चाहते हैं, ना कि किसी ऐसे खिलाड़ी के रूप में जिस पर जुर्माना लगाया गया हो या आईसीसी द्वारा प्रतिबंधित किया गया हो, हम ऐसा सुनना नहीं चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप ऐसी विरासत नहीं छोड़ना चाहते हैं जहां यह एक चर्चा का विषय या एक अड़चन बन जाए। इसलिए उम्मीद है कि वह इससे सीख लेंगे और इसे फिर से नहीं दोहराना चाहेंगे।'' मैदान पर अपने जोशीले व्यक्तित्व के लिए जाने जाने वाले कोहली अतीत में भी कई विवादों में पड़ चुके हैं। उन्हें 2019 में दक्षिण अफ्रीका के ब्यूरन हेंड्रिक्स के साथ कंधा टकराने की घटना के लिए आईसीसी द्वारा दंडित किया गया था। गावस्कर ने कहा, ''मुझे लगता है कि टकराव की भावना उनमें अंतर्निहित है, हमने हमेशा ऐसा देखा है कि वह हर विकेट, हर कैच, अपने साथियों द्वारा की गई हर अच्छी फील्डिंग का जश्न कैसे मनाते हैं। हम इसे समझते हैं और यह बहुत अच्छी बात है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि शारीरिक संपर्क नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता, मेरा मतलब है कि जब आप भारत के लिए खेल रहे हैं और अगर यह इतना बड़ा प्रोत्साहन नहीं है तो मुझे नहीं पता कि आपको किस प्रोत्साहन की जरूरत है।'' गावस्कर ने कहा, ''भारत के लिए खेलना इतना बड़ा सम्मान है कि हम दुनिया की 69वीं रैंकिंग वाली टीम या दुनिया की नंबर एक टीम के साथ खेल सकते हैं जो काफी प्रेरणादायक होनी चाहिए।

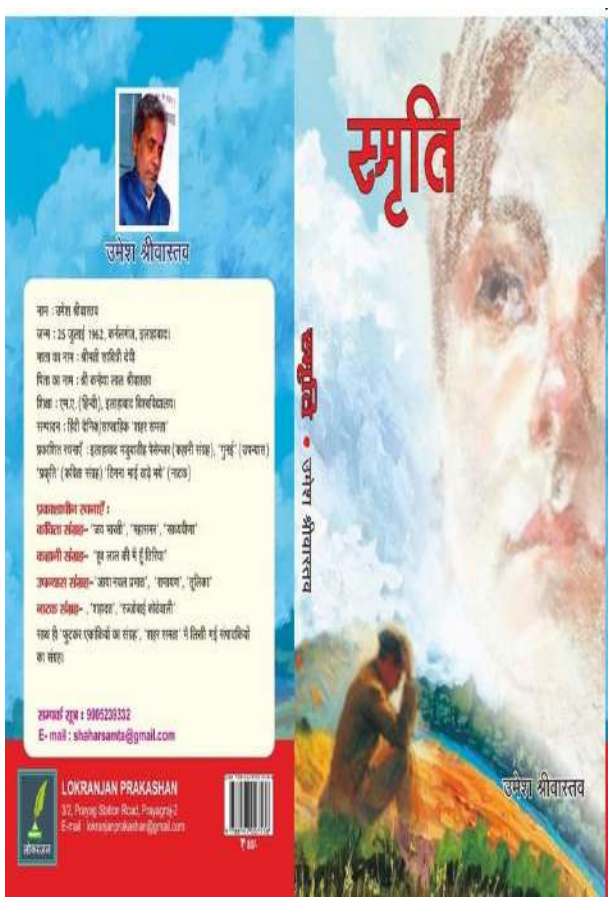

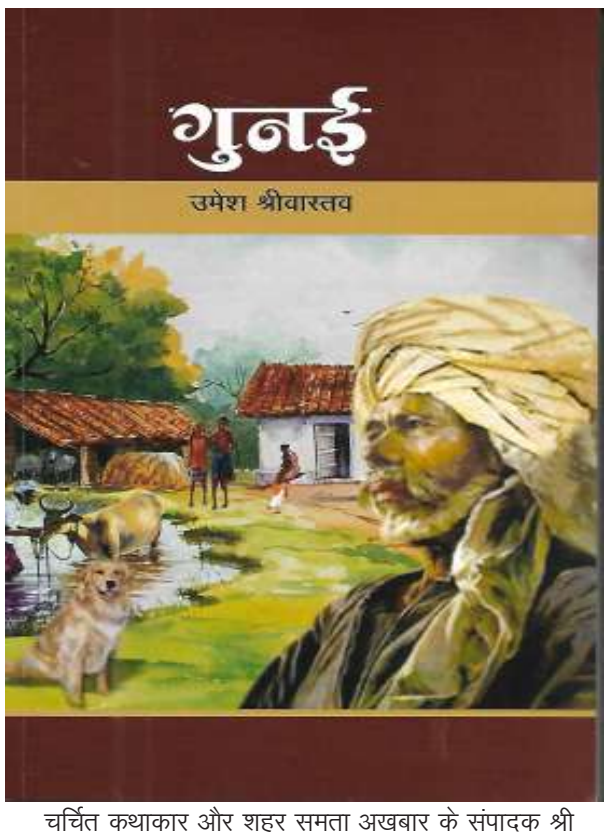

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

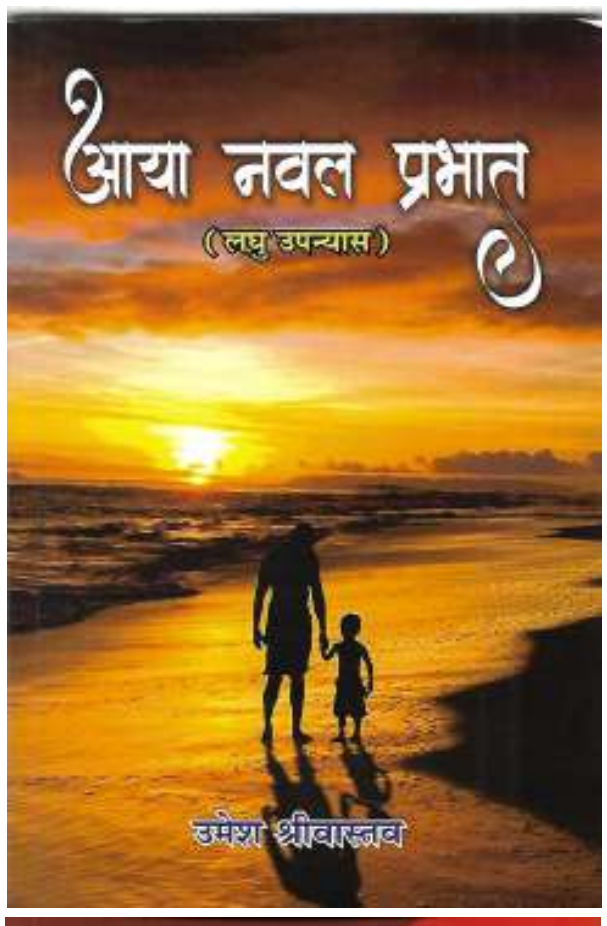

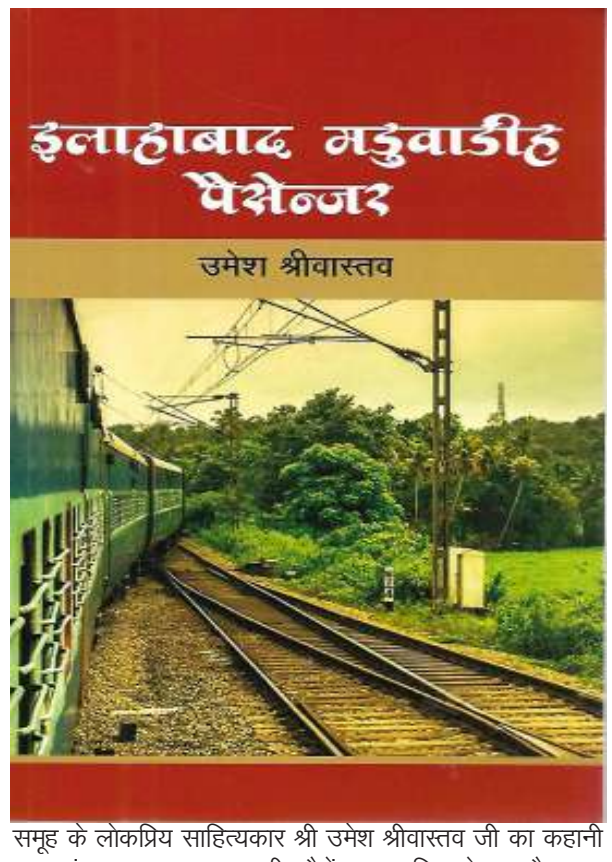

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

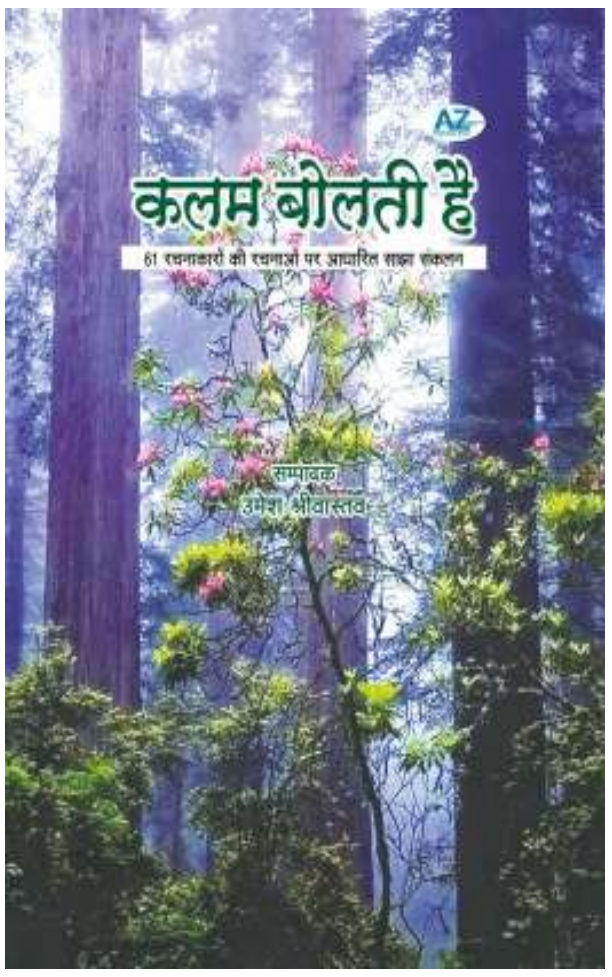

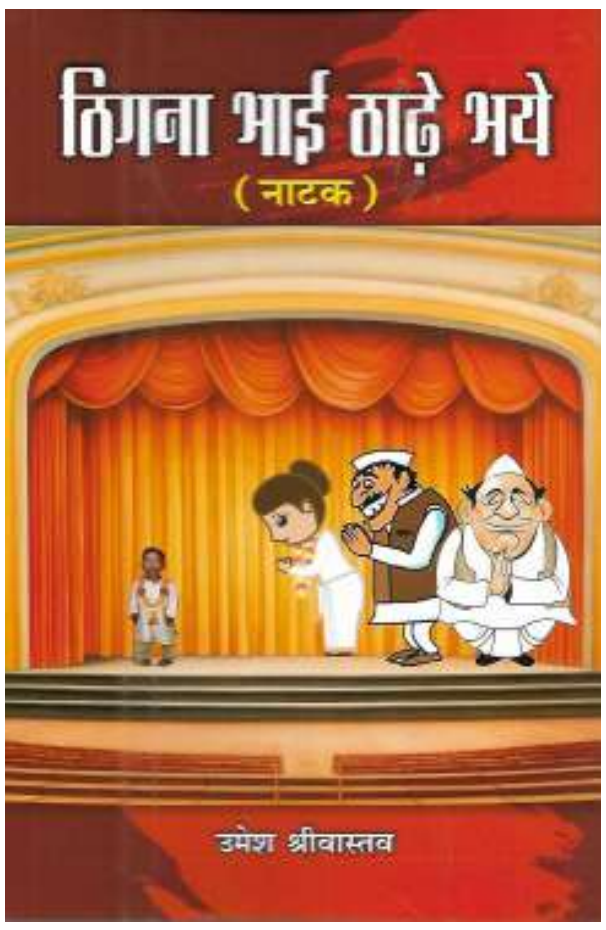

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत ने एक महान व्यक्ति खो दिया...मोदी के दोस्त मैंक्रों का पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर आया ट्वीट

भारत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली ने यह जानकारी दी। एम्स ने बताया कि 92 वर्षीय सिंह को आज शाम अचानक बेहोश होने के बाद गंभीर हालत में आपातकालीन विभाग लाया गया था।जैसे ही उनका निधन

हुआ, दुनिया भर के नेताओं ने 90 के दशक में देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले पूर्व प्रधान मंत्री के लिए शोक संदेश भेजे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शोक व्यक्त किया और कहा कि भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के रूप में एक महान व्यक्ति और फ्रांस ने एक सच्चा दोस्त खो दिया है। उन्होंने अपना जीवन अपने देश भारत के लोग के लिए समर्पित कर दिया था। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और उनके साथ हैं। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने एक्स पर एक पोस्ट में मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें भारत के सबसे शानदार बेटों में से एक बताया। करजई ने सिंह की अफगानिस्तान के लोगों के लिए अटूट सहयोगी और मित्र के रूप में सराहना की और अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

इजराइल ने हूती विद्रोहियों के यमन की राजधानी और बंदरगाहों पर ठिकानों को बनाया निशाना

दीर अल बलाह, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों ने कहा कि इजराइली हवाई हमलों में विद्रोहियों के कब्जे वाली राजधानी सना और बंदरगाह शहर होदेदा को निशाना बनाया। हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार इजराइल पर हमले के कुछ दिनों बाद इजराइल ने ये हमले किये। इजराइली सेना ने कहा कि उसने सना में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और होदेदा, अल–सलिफ और रास कांतिब के बंदरगाहों के साथ–साथ बिजली केंद्रों पर हूती विद्रोहियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ठिकानों को निशाना बनाया। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक भाषण में कहा था कि हूती भी वही सबक सीखेंगे, जो हमास, हिजबुल्ला, असद सरकार और अन्य लोगों ने सीखा है। उनकी सरकार ने कहा कि नेतन्याहू ने सैन्य नेताओं के साथ मिलकर ताजा हमलों पर नजर रखी। ईरान समर्थित हूती समाचार मंच ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में हमलों की सूचना दी लेकिन तत्काल कोई विवरण नहीं दिया। अमेरिकी सेना ने हाल के दिनों में यमन में हूती विद्रोहियों को भी निशाना बनाया है। इस बीच, गाजा पट्टी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि रात के समय एक अस्पताल के बाहर इजराइली हमले में पांच फलस्तीनी पत्रकार मारे गए। इजरायली सेना ने बताया कि मारे गये सभी आतंकवादी थे, जो पत्रकारों के वेश में थे। यह हमला मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर में अल–अवदा अस्पताल के बाहर एक कार पर हुआ। पत्रकार स्थानीय समाचार चौनल 'अल–कुद्स टुडे' के लिए काम कर रहे थे। 'अल–कुद्स टुडे' इस्लामिक जिहाद उग्रवादी समूह से संबद्ध एक टेलीविजन चौनल है।

जयशंकर ने व्हाइट हाउस में एनएसए सुलिवन से मुलाकात की, क्षेत्रीय, वैश्विक विकास पर चर्चा की

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का अधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर व्यापक चर्चा की। जयशंकर वर्तमान में अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान उनका अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन और निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अन्य वरिष्ठ सदस्यों से मिलने का कार्यक्रम है। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत–अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर व्यापक चर्चा हुई। साथ ही मौजूदा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान–प्रदान किया गया।'' विदेश मंत्री की नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठकें करने की भी संभावना है। शीर्ष भारतीय राजनयिक 24 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अपनी मौजूदा अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत के महावाणिज्यदूतों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता भी करेंगे।

खैबर पख्तूनख्वा में तीन अभियानों में 13 आतंकवादी मारे गए, एक सैन्य अधिकारी की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए अलग–अलग तीन अभियानों में 13 आतंकवादी मारे गए और सेना के एक अधिकारी की मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह सभी अभियान बृहस्पतिवार तड़के शुरू हुए। पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने बन्नू जिले के जानी खेल इलाके में दो आतंकवादियों को मार गिराया। उत्तरी वजीरिस्तान में हुए दूसरे अभियान के दौरान पांच आतंकवादी मारे गए, जबकि आठ अन्य घायल हो गए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

मनमोहन सिंह अमेरिका–भारत रणनीतिक साझेदारी के सबसे महान समर्थकों में से एक थे : ब्लिंकन

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है और विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने उन्हें दोनों देशों की द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के सबसे बड़े समर्थकों में से एक बताया। भारत में आर्थिक सुधारों के पुरोधा, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा, डॉ. सिंह अमेरिका–भारत रणनीतिक साझेदारी के सबसे महान समर्थकों में से एक थे और उनके काम ने पिछले दो दशकों में दोनों देशों द्वारा मिलकर हासिल की गई अधिकतर उपलब्धियों की नींव रखी। सिंह

के निधन पर भारत के लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका–भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधानमंत्री का नेतृत्व अमेरिका–भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का प्रतीक है। ब्लिंकन ने कहा, डॉ. सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, जिन्होंने भारत के तेज आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया। हम डॉ. सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं और अमेरिका तथा भारत को एक साथ लाने के लिए उनके समर्पित योगदान को हमेशा याद रखेंगे। उनके निधन पर दुख जताते हुए भारतीय अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को हमेशा उनके अग्रणी आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिला। खन्ना ने पीटीआई– से कहा, मुझे अमेरिका–भारत परमाणु समझौते के लिए बुश प्रशासन के साथ काम करने पर गर्व है और मेरे कार्यालय में प्रधानमंत्री सिंह ने मेरे काम के लिए मुझे धन्यवाद पत्र भेजा था। मैं हमेशा उनके प्रति सम्मान रखूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार और भारत के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए, 'यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल' के अध्यक्ष अतुल केशप ने कहा कि सिंह ने अमेरिका–भारत संबंधों को आगे बढ़ाने और आधुनिक बनाने तथा दोनों लोकतंत्रों को रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी अभिसरण के स्थिर पथ पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के बोर्ड ने कहा कि सिंह का दृष्टिकोण, शिक्षाएं और नेतृत्व भावी पीढ़ियों के लिए सबक होंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एक विद्वान, राजनेता और सम्मानित नेता थे तथा उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा और एक अरब से अधिक भारतीयों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए समर्पित कर दिया। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कहा कि उन्हें अपने पूर्व सहयोगी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। उन्होंने कहा, वह असाधारण बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और ज्ञान के धनी व्यक्ति थे। लॉरेन और मैं उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। थिंक–टैंक 'ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूट' की तन्वी मदान ने कहा, अगर भारत और अमेरिका ने इतिहास की कुछ झिझक दूर की हैं, तो डॉ. मनमोहन सिंह को इसका काफी हद तक श्रेय दिया जाना चाहिए। आज, लोग गहरे समुद्र से लेकर अंतरिक्ष तक सहयोग की बात करते हैं; यह उन जोखिमों के बिना संभव नहीं होता, जिन्हें वह उठाने को तैयार थे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के उपाध्यक्ष जॉर्ज अब्राहम ने कहा कि सिंह को भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए याद किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया में नया राजनीतिक संकट, डक–सू पर महाभियोग चलाने के लिए हुई वोटिंग

दक्षिण कोरिया की विपक्ष–नियंत्रित नेशनल असेंबली ने सत्ताधारी पार्टी के सांसदों के जोरदार विरोध के बावजूद कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक–सू पर महाभियोग चलाने के लिए शुक्रवार को मतदान किया, जिससे राष्ट्रपति यूं सुक येओल द्वारा आश्चर्यजनक रूप से मार्शल लॉ लगाने और आगामी महाभियोग के कारण देश का राजनीतिक संकट और भी गहरा हो गया है। हान के महाभियोग का मतलब है कि उनसे राष्ट्रपति की शक्तियों और कर्तव्यों को तब तक छीन लिया जाएगा जब तक कि संवैधानिक न्यायालय यह निर्णय नहीं ले लेता कि उन्हें बर्खास्त करना है या बहाल करना है। अदालत पहले से ही समीक्षा कर रही है कि यून के पहले महाभियोग को बरकरार रखा जाए या नहीं। देश के शीर्ष

दो अधिकारियों के महाभियोग से इसकी राजनीतिक उथल–पुथल बढ़ गई है, इसकी आर्थिक अनिश्चितता गहरा गई है और इसकी अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा है। एकल–कक्ष नेशनल असेंबली ने हान के महाभियोग प्रस्ताव को 192–0 वोट से पारित कर दिया। सत्ताधारी पीपुल्स पावर पार्टी के सांसदों ने वोट का बहिष्कार किया और मंच के आसपास इकट्ठा हुए जहां विधानसभा अध्यक्ष वू वोन शिक बैठे थे। वू द्वारा हान के महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान के लिए बुलाए जाने के बाद पीपीपी सांसदों ने विरोध किया, क्योंकि इसके पारित होने के लिए 300 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत की आवश्यकता थी, न कि दो–तिहाई बहुमत जैसा कि पीपीपी ने दावा किया था। अधिकांश दक्षिण कोरियाई अधिकारियों पर नेशनल असेंबली द्वारा साधारण बहुमत से महाभियोग चलाया जा सकता है, लेकिन राष्ट्रपति के महाभियोग के लिए दो–तिहाई के समर्थन की आवश्यकता होती है। कार्यवाहक राष्ट्रपति के महाभियोग पर कोई विशिष्ट कानून नहीं हैं। हान, जिन्हें यून ने प्रधान मंत्री नियुक्त किया था, यून के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद, एक रूढ़िवादी, तीन दिसंबर को उनके अल्पकालिक मार्शल लॉ लगाने पर नेशनल असेंबली द्वारा लगभग दो सप्ताह पहले महाभियोग चलाया गया था। हान का मुख्य उदारवादी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी से टकराव हो गया क्योंकि उन्होंने संवैधानिक न्यायालय में तीन खाली सीटों को भरने, यून के मार्शल लॉ डिक्री की स्वतंत्र जांच स्थापित करने और किसान समर्थक बिल बनाने के विपक्ष के नेतृत्व वाले प्रयासों को पीछे धकेल दिया।

न कभी था, न कभी होगा...जब यूएस संसद ने दिया था मनमोहन सिंह को स्टैंडिंग ओवेशन

हर हिंदुस्तानी के लिए गर्व से भरा था वो पल

19 जुलाई 2005 को, तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया जहां उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। यह सम्मान केवल निकटतम अमेरिकी सहयोगियों को दिया

गया। अमेरिकी कांग्रेस में प्रवेश करते ही डॉ. सिंह का रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों के नेताओं ने भव्य स्वागत किया। अपने भाषण के कुछ सेकंड के भीतर डॉ. सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई का बचाव किया और जोर देकर कहा कि नई दिल्ली आतंकवाद पर नरम नहीं हो सकती। लोकतंत्र असहमति व्यक्त करने के लिए वैध साधन प्रदान करते हैं। वे राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का अधिकार प्रदान करते हैं और उन्हें ऐसा करना जारी रखना चाहिए। अमेरिकी कांग्रेस में मनमोहन सिंह ने कहा था कि आतंकवाद उस स्वतंत्रता का शोषण करता है जो हमारे खुले समाज प्रदान करते हैं हमारी स्वतंत्रता को नष्ट करें। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत को सभी प्रकार के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सभी संभावित मंचों पर एक साथ काम करना चाहिए। हमें इस क्षेत्र में चयनात्मक नहीं होना चाहिए, जहां भी आतंकवाद मौजूद है, हमें उससे लड़ना चाहिए, क्योंकि आतंकवाद कहीं भी हो, हर जगह लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने स्वीकार किया कि नीतियों में बदलाव करने में भारत की प्रवृत्ति धीमी है, हालांकि, उन्होंने कहा कि लोगों की आम सहमति बनाने के लिए यह आवश्यक है। नीति में बदलाव करने में बहुत धीमे होने के लिए अक्सर हमारी आलोचना की जाती है, लेकिन लोकतंत्र का मतलब बदलाव के पक्ष में आम सहमति बनाना है। मनमोहन सिंह ने कहा था कि हमें संदेहों को दूर करना होगा और भय को शांत करना होगा यह अक्सर तब उत्पन्न होता है जब लोग परिवर्तन के प्रभाव का सामना करते हैं। जिन आशंकाओं को हमें संबोधित करना होता है उनमें से कई अतिशयोक्तिपूर्ण होती हैं, लेकिन उन्हें संबोधित किया जाना चाहिए। भारत के आर्थिक सुधारों को इस दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

कजाकिस्तान विमान हादसा : विमान के ब्लैक बॉक्स से हैरान करने वाले खुलासे, कैसे बची 29 लोगों की जान?

कजाकिस्तान, एजेंसी। आसमान में आपको एक विमान नजर आ रहा होगा। लेकिन कुछ ही पल बाद आसमान में कुछ ऐसा होता है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। तस्वीरें कजाकिस्तान के आकतू एयरपोर्ट के पास अजरबैजान एयरलाइन्स के विमान की सामने आई हैं। जहां एक ऐसा विमान हादसा हुआ है जिसे देखकर किसी को यकीन नहीं हो सकता है। इस विमान में तकरीबन 100 लोग की मौजूदगी थी। परिवहन अनुसार, दूसरा ब्लैक बॉक्स अक्टाऊ पाया गया है और जांच विभाग को तक अज़रबैजान एयरलाइंस की एम्ब्रेयर 190 विमान बुधवार को के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कज़ाख विमान में सवार सभी 67 लोगों में से दो बच्चों सहित 29 लोगों को मलबे अनुसार, पीड़ितों, जमीनी सेवा कर्मियों साक्षात्कार लिए गए हैं। चालक दल

रिकॉर्डिंग पुनर्प्राप्त कर ली गई है, और 4,000 वर्ग मीटर से अधिक के दुर्घटना स्थल की जांच चल रही है। कजाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री कनाट बोजुम्बायेव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि विमान दुर्घटना का कारण अज्ञात है और अभी भी जांच चल रही है। बोजुम्बायेव ने कहा कि कजाकिस्तान अजरबैजान के संबंधित विभागों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि कजाकिस्तान के पास दुर्घटना का कोई आधिकारिक संस्करण नहीं है, और न ही रूस और न ही अजरबैजान ने कोई उपलब्ध कराया है।

विभाग के एक कज़ाख अधिकारी के के पास विमान दुर्घटना स्थल पर सौंप दिया गया है। बाकू से ग्रोज़नी उड़ान J2-8243 द्वारा संचालित कजाकिस्तान के अक्टाऊ हवाई अड्डे अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि 38 की दुर्घटना में मौत हो गई और से निकाला गया। अधिकारी के और इस घटना के सभी गवाहों के और डिस्पैचर्स के बीच रेडियो संचार

जर्मनी के राष्ट्रपति ने संसद किया भंग, 23 फरवरी को होगा चुनाव

चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के सत्तारूढ़ गठबंधन के टूटने के बाद जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर ने शुक्रवार को संसद को भंग करने का आदेश जारी किया और चुनाव के लिए एक नई तारीख निर्धारित 23 फरवरी की है। शोल्ज की तीन पार्टियों वाली गठबंधन सरकार छह नवंबर को तब संकट में घिर गई, जब उन्होंने जर्मनी की स्थिर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के तरीके पर विवाद के कारण अपने वित्त मंत्री को बर्खास्त कर दिया था। 733 सीटों वाले बुंडेस्टैग में स्कोल्ज़ ने अपने पक्ष में केवल 207 वोट हासिल किए, जबकि उनके खिलाफ 394 वोट पड़े और 116 अनुपस्थित रहे। बहुमत के लिए जरूरी 367 वोटों से काफी कम है। इसके बाद, वह 16 दिसंबर को विश्वास मत हार गए और अब अल्पमत सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। पार्टी के कई प्रमुख नेता 23 फरवरी को संसदीय चुनाव कराने पर आम सहमति पर पहुंचे, जो प्रारंभिक कार्यक्रम से सात महीने पहले है। चूंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का संविधान 'बुंडेस्टैग' (संसद) को खुद को भंग करने की अनुमति नहीं देता है, इसलिए यह स्टीनमीयर पर निर्भर था कि वह संसद को भंग करके चुनाव करवाते हैं या नहीं। यह निर्णय लेने के लिए उनके पास 21 दिन थे। संसद भंग होने के बाद, देश में चुनाव 60 दिनों के भीतर होने चाहिए। टेस्ला के सीईओ और अमेरिका के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलोन मस्क और निर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने धुर दक्षिणपंथी जर्मन पार्टी का समर्थन किया। एलन मस्क के एक्स पर एएफडी के समर्थन की दुनिया भर में जर्मन राजनीतिक नेताओं और यहूदी संगठनों ने व्यापक निंदा की। उनका दावा है कि केवल एएफडी ही जर्मनी को बचा सकता है और बाद में दावा किया गया कि एएफडी जर्मनी के लिए एकमात्र आशा है ने उस पार्टी का समर्थन करने के लिए आलोचना की, जो नाज़ी–युग की बयानबाजी और आप्रवासियों और मुसलमानों के प्रति भेदभावपूर्ण रुख के विवादास्पद उपयोग के लिए जानी जाती है।

भ्रमइवससी के हथियारों पर इजरायल का कब्जा, लगा दी सार्वजनिक प्रदर्शनी

इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने फुटेज जारी किया है जिसमें उनका कहना है कि 85,000 से अधिक हथियार दिखाए गए हैं जिन्हें इज़राइल की सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह से जब्त कर लिया था। द टाइम्स ऑफ इज़राइल के अनुसार, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सफेद में उत्तरी कमान मुख्यालय में आईडीएफ नेताओं के साथ जब्त किए गए हिजबुल्लाह हथियारों का दौरा किया। आईडीएफ ने कहा कि हथियार अक्टूबर 2024 से जब्त किए गए हैं, और इसमें लगभग 7,000 आरपीजी रॉकेट और मिसाइल लांचर, लगभग 9,000 विस्फोटक और 60,000 से अधिक संचार के साधन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर और दस्तावेज शामिल हैं। जब्त किए गए हथियारों की सूची में लगभग 20 वाहन, 60 विमान भेदी मिसाइलें, और 300 ''अवलोकन उपकरण'' और दूरबीन भी शामिल थे। यमन में हूती विद्रोहियों ने कहा कि इजराइली हवाई हमलों में विद्रोहियों के कब्जे वाली राजधानी सना और बंदरगाह शहर होदेदा को निशाना बनाया। हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार इजराइल पर हमले के कुछ दिनों बाद इजराइल ने ये हमले किये। इजराइली सेना ने कहा कि उसने सना में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और होदेदा, अल–सलिफ और रास कांतिब के बंदरगाहों के साथ–साथ बिजली केंद्रों पर हूती विद्रोहियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ठिकानों को निशाना बनाया। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक भाषण में कहा था कि हूती भी वही सबक सीखेंगे, जो हमास, हिजबुल्ला, असद सरकार और अन्य लोगों ने सीखा है। उनकी सरकार ने कहा कि नेतन्याहू ने सैन्य नेताओं के साथ मिलकर ताजा हमलों पर नजर रखी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।